



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 17, 1979 (फाल्गुन 26, 1900)
No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1979 (PHALGUNA 26, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110 011, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० 32014/1/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड 1 के चयन ग्रेड ग में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री ओ० पी० देवरा को राष्ट्रपति द्वारा 27-1-79 से 28-2-79 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अस्थायी और तदर्थ आधार में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री देवरा यह अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के उनका कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० ए० 310142/78-प्रशा०-III—केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा के सहायक ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, जो संघ लोक सेवा आयोग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत तथा हम संवर्ग से 1—506GI/78

संबद्ध अनुभाग अधिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित हैं, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तिथि से संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री बी० पी० शिम्पी	1-2-77
2.	श्री बी० एन० अरोड़ा	1-3-78

एस० बालाचन्द्रन
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 98 आर० सी० टी० 18—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त
एतद्वारा श्री एच० एस० राठीर, स्थायी सहायक को स्थानापन्न

(2075)

रूप से दिनांक 9-2-79 से 9-5-79 तक या अग्रिम आदेश तक जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० के० शर्मा
सचिव,
केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली 110001, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 14029/7/79-एन० ई०-2—राष्ट्रपति इस मंत्रालय की तारीख 1-5-1978 की अधिसूचना सं० III-14028/9/75-एन० ई०-भाग-1 के क्रम में उत्तरपूर्वी परिषद सचिवालय शिलांग में मलाहकार (पशु-पालन) के पद पर श्री एच० गुहा की नियुक्ति की अवधि को 30 जून, 1979 तक बढ़ाते हैं।

एम० एम० परमार
अवर सचिव

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ओ० दो-108/69-स्थापना—ले० कर्नल टी० डी० राधाकृष्णन का पुनर्नियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमाण्डेंट ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ०, पल्लीपुरम के पद का कार्यभार दिनांक 2 फरवरी 1979 के अपराह्न से त्याग दिया।

सं० ओ० दो-289/69-स्थापना—श्री गणेश राम का पुनर्नियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेंट 3 बटालियन के पद का कार्यभार दिनांक 31-1-79 के अपराह्न से त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशामन)

(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अनुवेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० पी०-30/65-प्रशामन-5—मरुति जांच आयोग से प्रत्यावर्तित हो जाने पर, श्री पी० एम० महादेवन ने दिनांक 2 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अनुवेषण ब्यूरो, विवेक पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार सम्भाला।

रिपुदमन सिंह
प्रशासन अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अनुवेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० टी-1/73-प्रशामन-II—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-ईस्ट (ए), दिनांक 26-8-77 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना के अधीन गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के श्री टीकम दास मजुदेवा, आशुलिपिक ग्रेड 'बी' को गृह मंत्रालय

के दिनांक 29-1-79 के आदेश संख्या ए-38013/8/78-प्रशासन-1(ए) के द्वारा दिनांक 25-1-79 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त किया जाता है।

श्री सचदेवा ने दिनांक 25-1-79 (अपराह्न) को वरिष्ठ निजी सहायक (आशुलिपिक ग्रेड-बी) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-35018/6/78-प्रशामन-1—पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विवेक पुलिस स्थापना, एतद्वारा, गुजरात राज्य पुलिस के उप-निरीक्षक श्री एम० जे० शुक्ला को दिनांक 1-2-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अनुवेषण ब्यूरो के दिल्ली विवेक पुलिस स्थापना प्रभाग की अहमदाबाद शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अनुवेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ई-1604/4/1/75-कार्मिक—प्रत्यावर्तित होने पर श्री एच० पी० मिह, ने 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० एम० एन० बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद
सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)
के० ओ० सु० ब० मुख्यालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 6/1/74-म० पं० (प्रशा०-)—इस कार्यालय की तारीख 8 फरवरी, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) श्री आर० एन० तलवार की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1 जनवरी, 1979 से 30 जून, 1979 तक छः महीनों के लिए और या जब तक पद नियमित तौर पर भरा जाए, जो भी पहले हो, महर्ष बढ़ाते हैं।

श्री तलवार का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री तलवार को सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उम ग्रेड में वरिष्ठता और किसी अन्य उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं

गिनी जाणगी। इस तदर्थ नियुक्ति के नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० II/5/77-प्रशा०-एक—इस कार्यालय की तारीख 4 दिसम्बर, 1978 की मससंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, केरल में जनगणना कार्यालय में अन्वेषक, श्री एस० जयशंकर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियुक्ति को तारीख 1 जनवरी, 1979 से 31 मार्च, 1979 तक तीन मास की और अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी समय कम हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय विवेचन में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापञ्जीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 1 फरवरी 1979

सं० स्था० I/ए० 4/78-79/778—महालेखाकार, इस कार्यालय के श्री एस० सारंगन, एक स्थायी अनुभाग अधिकारी को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

यह पदोन्नत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० स्था० I/ए० 4/78-79/810—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्न लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री:-

1. टी० एम० कृष्ण मूर्ति (1)
2. एम० सी० श्रीनिवासन्

ये पदोन्नत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सीन्दरराजन्,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे

बम्बई-1, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० ए० यू०/अडमिन/मिस/कॉन/1371—इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एस० वी० सुब्रमनियम को दिनांक 1-4-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० यू०/अडमिन/मिस/कॉन/1371—इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एम० एन० राणा को दिनांक 1-4-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० यू०/अडमिन/मिस/कॉन/1371—इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एम० आर० जोशी को दिनांक 1-8-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० यू०/अडमिन/मिस/कॉन/1371—इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी० डी० भागवत को दिनांक 1-8-1978 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

अ० ना० विश्वास
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० 7/79/जी—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री टी० एफ० देकुन्हा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/806/67-प्रशा० (राज०)/1527—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अधिकारी और स्थानापन्न उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री आर० पी० बसु ने 31 जनवरी, 1979 के बोपहर बाद से कार्यालय में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1006/73-प्रशा० (राज०)/1538—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी बर्ग के अधिकारी श्री बी० एल० महोद्वा ने 31 जनवरी, 1979 के अपराह्न से, इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 27 फरवरी 1979

सं० 6/1072/75-प्रशा०(राज०)/1778—सेवा निवृत्ति की प्राप्ति होने पर श्री सी० के० नायर ने 31 जनवरी, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया ।

का० वें० शेषाद्वि,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० 10(2)77-79/सी० एल० बी०-II—कपास नियंत्रण अधिनियम, 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)73-74/सी० एल० बी०-II, दिनांक 19 दिसम्बर, 1974 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ अर्थात्:—

(1) उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में:—

- (1) क्रम संख्या 1 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “दो मास” इन शब्दों और चिह्न के स्थान पर “तीन मास” ये शब्द और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।
- (2) क्रम संख्या 2 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान, प्रविष्टि में “साढ़े तीन मास” इन शब्दों और चिह्न के स्थान पर “साढ़े चार मास” ये शब्द और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।
- (3) क्रम संख्या 3 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “तीन मास” इन शब्दों और चिह्न के स्थान पर “चार मास” ये शब्द और चिह्न प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

(2) अनुसूची के नीचे द्वितीय परन्तुक में “साढ़े चार मास” इन शब्दों के स्थान पर “छह मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० प्र०-6/247(36)/2—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) और निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-3) (ग्रुप ए) (इंजी०-शाखा) श्री जैड० ए० सैयद

निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-1-79 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० प्र०-6/247(322)—कलकत्ता निरीक्षक मण्डल में स्थायी निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II (इंजी०-शाखा) और स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-2 (इंजी०-शाखा) श्री ए० एन० चटर्जी निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-1-79 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ए-19011(225) स्थापना—राष्ट्रपति श्री एस० सी० तन्जा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रमाधन) को दिनांक 2-2-1979 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रमाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है ।

एस० बालासोपाल
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० सी०-5468/718-ए—श्री यू० एस० श्रीवास्तव, जिन्हें महामर्षेक्षक कार्यालय में इस कार्यालय की अधिसूचना सं० सी०-5449/718-ए दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 के अधीन 27-11-78 से 60 दिन के लिए स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, की तदर्थ नियुक्ति की अवधि श्री जे० पी० शर्मा, स्थापना एवं लेखा-धिकारी, महामर्षेक्षक का कार्यालय के स्थान पर 26-1-79 से 2-2-79 तक आठ दिन के लिए और बढ़ाई जाती है, श्री जे० पी० शर्मा 19 जनवरी, 1979 से 2 फरवरी, 1979 तक 15 दिन की छुट्टी पर गए हैं ।

के० एल० खोसला
मेजर-जनरल
महामर्षेक्षक का कार्यालय
नियुक्ति प्राधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० 7(117)/63-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० वी० राव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी,

जैपोर (उड़ीसा) को उसी केन्द्र से 2-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(85)/67-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री के० एम० शर्मा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद को, आकाशवाणी विजयवाड़ा में 6-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० 6(96)/63-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री राम स्वरूप, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली को उसी केन्द्र में 30-1-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6(110)/63-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० टी० मैथ्यू, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम को उसी केन्द्र में 1-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 5(111)/67-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० सी० अधिकारी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी रत्नागिरी को उसी केन्द्र से 1-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(118)/67-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० वासुदेवन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, त्रिचुर को उसी केन्द्र में 1-2-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(120)/67-एम०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जे० आर० सी० पैटो, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद को उसी केन्द्र में 31-1-1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरि दत्त खेड़ा
प्रणामन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० ए० 19019/3/77-के० सं० स्वा० सेवा-I—डा० श्रीमती पद्मिनी दाम ने अपनी बदली केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में हो जाने के परिणामस्वरूप 10 जनवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना हैदराबाद में हॉस्पिटैलिक

फिजिमियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 12 जनवरी 1979 के पूर्वार्द्ध से दिल्ली में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एम० भाटिया
उप निदेशक प्रणामन

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० ए० 38012/1/79-(एच० क्यू०)/प्रणामन-I—भारत सरकार बड़े खेद के साथ यह घोषणा करती है कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में निदेशक, प्रणामन एवं सतर्कता के पद पर कार्य कर रहे श्री रवीन्द्र नाथ सिन्हा का 15 दिसम्बर, 1978 को निधन हो गया है।

दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ए० 12025/8/78/(ए० आई० आई० एच० पी० एच०) प्रणामन-I—राष्ट्रपति ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के महायक अनुसंधान अधिकारी (मनोविकार विज्ञानी) डा० देवव्रत बनर्जी को 25 दिसम्बर, 1978 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में मनोविकार विज्ञान के महायक प्रोफेसर के पद पर अर्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/31/78(आर० एम० एम० एच०) प्रणामन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली के चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता श्री एम० लाल को 16 जनवरी 1979 के पूर्वार्द्ध से से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में चिकित्सा समाजपरक सेवा (मेडिको-सोशल सर्विस) अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रणामन (सं० एवं प्र०)

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 7/119/78-के० सं० स्वा० यो० स्था०-4—केन्द्रीय निविल सेवा (अस्थायी सेवायें) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में हमके द्वारा श्री रमेशचन्द्र शर्मा, ड्रैपर को नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक माह की अवधि की समाप्ति पर उनकी सेवायें समाप्त कर दी जायेंगी

डा० वि० ख० जोतवानी

उप निदेशक

कृषि एवं मिर्चार्ई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० ए०-19023/54/78-प्र०-III—इस निदेशालय में उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर पदोन्नति होने पर

श्री जी० एम० निरंजन ने दिनांक 20-1-79 के अपराह्न में बम्बई में विपणन अधिकारी का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ए० 19023/3/78-प्र०-III—इस निदेशालय में उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर पदोन्नति होने पर श्री एम० बी० के० राव ने दिनांक 30-12-78 (अपराह्न) में मद्रास में विपणन अधिकारी का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० एल० मनिहार
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन सहायकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

अय एवं भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78/संस्थापन/5746—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या डी० पी० एम०/41(2)/77-प्रशासन/26153 दिनांक 10/13-10-78 के उपरांत, निदेशक, अय एवं भण्डार, परमाणु ऊर्जा विभाग, अय निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडार सहायक) तथा स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी श्री वसंत यशवंत गोखले को सहायक भंडार अधिकारी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 30-11-78 अपराह्न से 25-1-79 पूर्वाह्न तक तदर्थ रूप से तथा 25-1-79 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक नियमित रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78-संस्थापन/5756—निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडार सहायक) तथा स्थानापन्न भंडारी श्रेणी उत्तम ताबाजी सत्पुटे को सहायक भंडार अधिकारी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 25-1-79 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक नियमित रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78-संस्थापन/5786—निदेशक, अय एवं भण्डार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री कनूबा पांडुरंग दोथफोडे को सहायक भंडार अधिकारी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 25-1-79 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक नियमित रूप से इसी ही निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जॉमफ
सहायक कार्मिक अधिकारी
कृते प्रशासन अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० डी० पी० एम०/21/1(3)/78-संस्थापन/5734—इस निदेशालय की अधिसूचना सम संख्यक दिनांक 13-10-78 के उपरांत, निदेशक, अय एवं भण्डार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के निम्नलिखित भंडारियों को सहायक भंडार अधिकारी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में 24-1-1979 पूर्वाह्न तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री मिहिरचंद्र राय
- (2) श्री मुनियापुरथ राजू

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरोरा, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा०-1(104)/79-एस०/1522—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में अन्तरण होने पर, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के० आर० सी० पिल्ले ने 31 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्य छोड़ दिया।

एम० कृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 4 फरवरी 1979

सं० आर० एम० ए०/ओ० यू०/10/79—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री आशुतोष एस० त्रिवेदी को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 1 मार्च, 1978 पूर्वाह्न से 31 अगस्त, 1979 तक की अवधि के लिए नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर
प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० बी० एस० एस० सी०/स्थापन/एन० टी० एफ०/79—निदेशक बी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित अधिकारियों को, वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के ग्रेड में, उनके नामों

के सामने दिए गए तारीखों से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/परियोजना	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री ए० एस० शंकरनारायणन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	एम० टी० आर०	30-9-78 (अपराह्न)
2.	श्री आर० विष्वनाथन उणिक्तान	„	एफ० आर० पी०	1-4-78

राजन बी० जार्ज
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक, डी० एम० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० ए० 12034/4/79-ई० ए०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० सी० रायजादा, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

हरबंस लाल कोहली
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० ए० 32014/2/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 31-3-78 की अधिसूचना सं० ए० 32014/2/77-ई० सी० के क्रम सं० 3 और 4 का संशोधन करते हुए निम्न प्रकार पढ़ा जाए :—

क्र० सं०	नाम	मौजूदा तैनाती रेटेशन	किस स्टेशन पर तैनात किया	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2	3	4	5
3.	श्री सतपाल सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	18-2-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
4.	श्री श्याम लाल	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	8-2-78 (पूर्वाह्न)

दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री जी० एस० करनानी, सहायक संचार अधिकारी, नियंत्रक संचार का कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ने दिनांक 31-1-79 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार स्थापित दिया।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ए० 35018/1/79-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जे० बी० आर० पी० राव, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास, का दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

बि० बि० जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1/357/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचन समूह बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री बी० बी० वरदान को निम्नलिखित अवधियों के लिए मुख्य-कार्यालय/स्विचन समूह में बिल्कुल तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं :—

	से	तक
(1)	2-1-78	18-2-78
(2)	17-4-78	17-6-78

दिनांक 20 फरवरी 1979

सं० 10/1/78-स्था० (8)—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री बी० एस० कुलकर्णी को 23 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आर्वी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुलकर्णी को उनके मूल विभाग नामशः बंगलूर टेली-फोन, बंगलूर में उनके स्वयं के अनुरोध पर वापस भेजने पर 30 दिसम्बर, 1978 को दोपहर बाद विदेश संचार सेवा में मुक्त किया गया ।

सं० 1/473/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री आनंद कुमार को पहली जनवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 1/474/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री बी० एन० मनोहर को 26 दिसम्बर, 1978 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 1/439/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० पी० नासकर को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 20-7-78 से 1-11-78 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 1/409/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री बी० रामकृष्ण राव को 29 दिसम्बर, 1978 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 1/476/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री पी० विश्वनाथ को पहली जनवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 1/471/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री एस० वेलुस्वामी को 28 अक्टूबर, 1978 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 1/475/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा श्री विनोद कुमार मिश्र को 2 जनवरी, 1979 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं ।

पी० के० गोविंद नायर
निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा-शुल्क समाहर्तलय

पटना, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 11(7)2-स्था०/79/2199—भारत सरकार विस्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के आदेश संख्या 141/78 दिनांक 2-9-78, जो एफ० सं० ए-22012/20/78 ए० डी०-II द्वारा निर्गत की गई है कि अनुसरण में श्री के० के० श्रीवास्तव परिवीक्षाधीन को आई० ए० एस० इत्यादि 1975 के परीक्षा के आधार पर भारतीय सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा ग्रुप 'क' के रूप में नियुक्त किया गया, उक्त आदेशानुसार इन्होंने केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा-शुल्क समाहर्तलय, पटना में दिनांक 13-11-78 को पूर्वार्द्ध में अधी-क्षक, ग्रुप 'क' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।

डी० के० सरकार
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

सीमाशुल्क : स्थापना

सं० 1—श्री आर० विश्वनाथन की सेवा निवृत्ति के कारण उस स्थायी रिक्ति पर अस्थायी मूल्य निरूपक श्री एस० नागराजन की जो अब स्थानापन्न सहायक समाहर्ता हैं) मूल्य निरूपक के रूप में दिनांक 10-2-72 से पुष्टि की जाती है ।

सं० 2—दिनांक 20-4-69 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० 2/44/68 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री पी० ओ० तामस की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-10-68 से पुष्टि की जाती है ।

सं० 3—प्रधान मूल्यनिरूपक के पद पर श्री एम० सी० कोवेंडरामन की पुष्टि के कारण जो स्थायी रिक्ति है, उस पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री मीर इनायतुल्ला की पुष्टि मूल्य-निरूपक के रूप में दिनांक 21-2-71 से की जाती है ।

सं० 4—श्री ई० एस० नारायणन की सेवा निवृत्ति के कारण उस स्थायी रिक्ति पर अस्थायी मूल्यनिरूपक श्री पी० जी० नायक की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 21-2-71 से पुष्टि की जाती है ।

सं० 5—प्रधान मूल्यनिरूपक के पद पर श्री बी० एम० के० नायर की पुष्टि के कारण जो स्थायी रिक्ति है, उस पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री डी० रामचन्द्रन की पुष्टि मूल्य-निरूपक के रूप में दिनांक 21-2-71 से की जाती है ।

सं० 6—श्री टी० रत्नाकर राव की सेवा निवृत्ति के कारण उस स्थायी रिक्ति पर अस्थायी मूल्यनिरूपक श्री डी० एम० परंजपी की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 26-7-71 से पुष्टि की जाती है ।

सं० 7—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री ए० एस०

सुन्धरराजन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 28-11-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 8—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री जैम्स हाब्डे की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 9—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री एस० गोपालन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 3-12-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 10—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15-71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के० वी० कुन्दिक्कणन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 11—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री पी० वी० दामोदरन नायर की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 12—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी पद किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री राम मोहन राव की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 13—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री सी० एन० चन्नन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 14—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री ए० वेदकृष्णन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 15—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के० सी० मेनन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 16—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के० आर० टू-506GI/78

दास की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 17—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री आर० शंकरन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 30-8-74 से पुष्टि की जाती है।

सं० 18—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री एस० मुब्बा राव की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 19—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री मदसूधन प्रसाद की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 7-5-75 से पुष्टि की जाती है।

सं० 20—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री सी० पद्मनाबन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

सं० 21—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री के० के० कपूर की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 23-8-74 से पुष्टि की जाती है।

सं० 22—दिनांक 26-11-71 के मंत्रालय के पत्र सं० एफ० ए० 11012/15/71 के अनुसार जो अस्थायी पद स्थायी किया गया है, उस पद पर स्थानापन्न मूल्यनिरूपक श्री डी० कण्णन की मूल्यनिरूपक के रूप में दिनांक 1-8-71 से पुष्टि की जाती है।

ए० सी० सल्लाना
सीमाशुल्क समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1979

सं० 1/79—श्री डी० एल० खोलकूटे ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 24-11-78 के आदेश सं० 189 (फा० सं० ए०-22012/19/78-प्रशा०-II) के अनुसार दिनांक 1-1-1979 के (पूर्वार्द्ध) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट में

स्थानान्तरित होने पर निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'क' का कार्यभार संभाल लिया है :

2. श्री बी० सी० डी० नरामा राजू ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय हैदराबाद में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक ग्रुप 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, निदेशालय के दिनांक 6-11-1978 के आदेश फा० सं० 1041/17/78 के अनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्थित मध्य प्रादेशिक यूनिट हैदराबाद में स्थानान्तरित होने पर दिनांक 20-11-78 के (अपराह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' का कार्यभार संभाल लिया है ।

एम० बी० एन० राव
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 26 फरवरी 1979
(वाणिज्य नौवहन)

सं० 6(7)/सी० आर० ए०/78—नौवहन महानिदेशक, बम्बई एतद्वारा श्रीमती जी० सारदा रामकृष्ण को तारीख 24 जनवरी 1979 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक ताबिक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं ।

के० एम० सिधु
नौवहन उप महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 23/2/77-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से, दिनांक 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए :—

क्रम	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदनाम
1.	श्री एस० के० लाहिड़ी	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), यूनिट नं० 8, आयकर विभाग, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड कलकत्ता ।
2.	श्री बी० के० चावला	कार्यपालक इंजीनियर, (विद्युत) केन्द्रीय विद्युत मंडल, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।

सं० 23/2/77-ई० सी०-2—के० लो० नि० वि० के निम्न लिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए हैं :—

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदनाम
1. श्री बी० आर० वैश	निर्माण महानिदेशक, निर्माण महानिदेशालय के० लो० नि० वि०, निर्माण भवन, नई दिल्ली ।
2. श्री टी० पी० बसु	मुख्य इंजीनियर (विद्युत) के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
3. श्री सी० दास गुप्ता	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), सतकर्ता एकक, के० कार्यालय, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
4. श्री एम० एम० रायचौधरी	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), यूनिट नं० 6, आयकर विभाग, (सी० बी० डी० टी०), कलकत्ता ।
5. श्री डी० आर० खन्ना	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), केन्द्रीय विद्युत भंडार मंडल के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
6. श्री डी० सी० गोयल	कार्यपालक इंजीनियर इलाहाबाद ।
7. श्री बी० आर० महाजन	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), नई दिल्ली ।

मु० सू० प्रकाश राव
प्रशासन उपनिदेशक
कृते निर्माण महानिदेशक

संपदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० ए० 200/3/2/79-प्रशा० "ख"—श्री बी० पी० अग्रवाल, अधीक्षक (विधिक) विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) जो साथ-साथ संपदा निदेशालय में संपदा सहायक निदेशक (मुकद्दमेबाजी) का पद भी संभाले हुए थे, ने 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से संपदा निदेशालय में उक्त पद रिक्त कर दिया है ।

2. श्री महेश प्रकाश, अधीक्षक (विधिक) को 5 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक संपदा निदेशालय, निर्माण और आवास मंत्रालय में संपदा सहायक निदेशक (मुकदमेबाजी) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

प्रताप अग्रवाल
संपदा उप निदेशक (का०)

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-43, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० पी०/जी०/14 डी०/2/कांफ०/पार्ट-II—लेखा विभाग के श्री एन० एल० राय, द्वितीय श्रेणी के अधिकारी का पुष्टीकरण इस रेलवे पर उसी विभाग में सहायक लेखा अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के रूप में दिनांक 1 मार्च, 1977 से किया जा रहा है।

जे० एस० डी० डेविड
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्डस्ट्रियल एजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 418/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इन्डस्ट्रियल एजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेरिल लांड फाइनान्सियर्स एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1852/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेरिल लांड फाइनान्सियर्स एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेस्ट कोस्ट फारेस्ट ट्रस्ट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1271/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वेस्ट कोस्ट फारेस्ट ट्रस्ट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रिस्टेज क्रीन कार्क प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2230/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रिस्टेज क्रीन कार्क प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ई० जी० पॉल इलेक्ट्रो-निक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2231/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ई० जी० पॉल इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा, और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होटल सरीष प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2365/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर होटल सरीष प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सघम एजेन्सीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 2495/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान

सं० 1770/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अश्वमेधया चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पर चामराज नगर फुगर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्डाइ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 2211/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसोन पर ईन्डाड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण वशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रेमकुमारी चिट फण्डम
गंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 2328/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रेमकुमारी चिट फन्ड्स एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एस० एन० हाट कार्डिल
स्प्रिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 2666/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० एन० हाट कार्बल स्प्रिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालार साहित्य
मंडल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

मं० 1056/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बालार साहित्य मंडल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवक्षित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अलतसन मेटल इन्वस्टीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1763/560/78--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अल्टसन मेटल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री गायत्री चिट फ़ंड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

मं० 1647/560/78--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री गायत्री चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पब्लिकल ट्रेडिंग
 एण्ड चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चामराज नगर फुगर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1596/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान

सं० 1962/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एन.द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर पुलिककल ट्रेडिंग एण्ड जिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अरुल चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1993/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अरुल चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रैमेक्स मोटर कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 1764/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रैमेक्स मोटर कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

पी० टी० गजबानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
(कर्नाटका)

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसेन्सियल कोल एण्ड मिनरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1634/3209-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि एसेन्सियल कोल एण्ड मिनरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उत्तरा खण्ड टूरिस्ट रोडवेज लिमिटेड के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 1636/2877-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि उत्तरा खण्ड टूरिस्ट रोडवेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्द फार्म्स एण्ड डेयरीज लिमिटेड (लिक्वी) के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 1897/1590—एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्द फार्म्स एण्ड डेयरीज लि० (इन लिक्वी०) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और व्यापार सहायक बैंक लि० (इन लिक्वी०) के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 1898/48-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि व्यापार सहायक बैंक लि० (इन लिक्वी०) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है ।

एस० नारायणन्
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 अपार मशीनरी मैनुफैक्चरिंग कारपोरेशन लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 25538(लिक्वि/एच)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 19 सितम्बर, 1977 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है ।

आर० के० भट्टाचार्य,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मै० यूनाइटेड पैकर्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के विषय में ।

ग्वालियर, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 1081/रा०/7713—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा सूचना दी जाती है कि म० यूनाइटेड पैकर्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर, का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो,

रजिस्टर से काट दिया जाएगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मं० मूंदड़ा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, देवास के विषय में ।

खालियर, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० 1082/रा०/7716—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मं० मूंदड़ा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, देवास का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, खालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अस्वति होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० 6021/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अस्वति होटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटिन कर दी जाएगी ।

के० पञ्चापकेशन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांडिचेरी युनाइटेड फाइनांसियल ट्रेडिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० 42—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि पांडिचेरी युनाइटेड फाइनांसियल ट्रेडिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है ।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायणा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/जून-43/3895/78-79/6333—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14/10939-40, 10947-10951 (नया) है तथा जो मन्दिर मार्ग, डोरीवाला, शादीपुरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सुदर्शन कुमार, सुपुत्र श्री बिहारी लाल सचदेवा, निवासी 233, गली पोस्ट आफिस, सदर बाजार, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रतजीत कौर, पत्नी एस० रघबीर सिंह,

निवासी 101, माडल बस्ती, नई दिल्ली तथा श्रीमती गुरचरण कौर, पत्नी एस० जोगीन्द्र सिंह, निवासी 10108, रानी छांसी रोड, फिल्मिस्तान के सामने, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली। (अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. श्री मलक चन्द्र सुभाष चन्द्र—जायदाद नं० 10951

2. श्री रघबीर सिंह जोगीन्द्र सिंह गुजरात टैन्ट हाउस—

जायदाद नं० 10948

3. श्री रघबीर सिंह जोगीन्द्र सिंह गुजरात टैन्ट हाउस—

जायदाद नं० 10950-10939

अनधिकृत किरायेदारों की सूची

1. श्री राम लुभाया—जायदाद नं० 10939

2. श्री मोहन लाल—जायदाद नं० 10940

3. श्रीमती दिवान देवी—जायदाद नं० 10947

4. श्री मलिक देवी—जायदाद नं० 10949

5. श्री हरी सिंह—जायदाद नं० 10940

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला बिल्डिंग जोकि 222 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 14/10939-10940, 10947-10951 (नया) है, मन्दिर मार्ग, डोरीवाला, शादीपुरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 15/10952

पश्चिम : जायदाद नं० 14/10941

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/जून-28/3887/
78-79/6333—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 526 है तथा जो कटरा
अशफ़ी, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० नाथूराम नारायण प्राईवेट लि०, स्वतंत्र
विल्डिंग, स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1, श्री मदनलाल
पोद्दार के द्वारा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार जैन, सुपुत्र श्री मदनलाल जैन,
निवासी 3073, प्रताप स्ट्रीट, गोलचा मिनेमा
के पास, दरियागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
बड़ी प्रभेदोंवाला जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 526, जिसका क्षेत्रफल 33 वर्ग गज है
का (ग्राउण्ड प्लोर, इलाका नं० 5, कटरा नागपुर, कटरा
अशफ़ी, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

पूर्व : दीवार जायदाद नं० 529/12 व 527/23

पश्चिम : दीवार दुकान नं० 526

उत्तर : दुकान नं० 526 का 1/2 हिस्सा।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस्—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/जून-31/3890/
78-79/6333—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० जी-36 है तथा जो ओल्ड मार्केट, वेस्ट
पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूपांकित सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

यद्यः प्रब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती भगवान देवी, विधवा पत्नी श्री गोविन्द
लाल, निवासी डी-6/114, टिब्बिया कालेज, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत वर्मा, सुपुत्र श्री चन्द्र लाल वर्मा,
तथा श्री ए० के० वर्मा, सुपुत्र श्री इन्द्रजीत वर्मा,
निवासी 16-बी/22, देव नगर, करौल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सरकारी बनी हुई दुकान जिनका नं० जी-36 है, ओल्ड
मार्केट वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : दुकान नं० 36-एफ
पश्चिम : खुला
उत्तर : लेन
दक्षिण : खुला चौक

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/II/जून-62/3907/78-79/8333—अतः मुझे, आर० वी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी संख्या जे-12/15 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीक:—

(1) डा० के० के० नन्दा, निवासी एफ-9, सैक्टर-14, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री आर० एल० चोपड़ा तथा श्रीमती उषा चोपड़ा निवासी डी-17, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्प्रतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिनका नं० 15, ब्लॉक नं० जे-12 है और क्षेत्रफल 485 वर्ग गज है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में है।

आर० वी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकयु०/1/एम० आर०-111/500/जून-1 (24)/78-79/6343—अतः मुझे अंजनी श्रोता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए०-3997 है तथा जो डिफन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एम० मनीन्द्र सिंह, सुपुत्र एम० एकबाल सिंह निवासी सी-211, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1, इनके जनरल अटारनी श्री इन्द्रजीत सिंह खुराना के द्वारा, सुपुत्र श्री एम० मोहद सिंह खुराना, निवासी सी-211, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री गुरुवक्त्र गोविन्द राम माणीवाला, सुपुत्र श्री गोविन्द राम माणीवाला, निवासी ए-339, डिफन्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लॉट जिसके उपर ढाई मंजिला बिल्डिंग बनी हुई है और जिसका क्षेत्रफल 217 वर्ग गज है तथा नं० ए-339 है, डिफन्स कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड
पश्चिम : सर्विस लेन
उत्तर : मकान नं० ए-400
दक्षिण : मकान नं० ए-398

अंजनी श्रोता,
अक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/510/जून-11 (3)/78-79/6343—अतः मुझे, अंजनी ओझा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सामलका गांव, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मन्तोव कुमारी जैन, पत्नी श्री (डा०) जान चन्द्र जैन, निवासी बी-3, ग्रीन पार्क एक्स-टेशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहनी देवी, पत्नी श्री बाबु लाल गुप्ता, निवासी उड्डयु० जेड०-241-बी०, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल किला नं० 9, खसरा नं० 13 (4-16), खसरा नं० 14 (4-16), खसरा नं० 17/1 (3-4), खसरा नं० 18/1 (3-8) है, सामलका गांव-तहसील महरोली, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओझा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/ जून-11 (10)/515/78-79/6343.—अतः मुझे, अंजनी ओझा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी०-70 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

(1) श्री त्रिवेडियर निर्मल कुमार मित्रा, रिटायर्ड, सुपुत्र स्वर्गीय श्री उपेन्द्रा कुमार मित्रा, निवासी 20, अपार्टमेंट रायल होटल, मेरठ (यू० पी०) (अन्तरक)

(2) श्री राज पाल मल्होत्रा, सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द, मल्होत्रा, निवासी डी-70, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेढ़ मंजिला जोकि 342 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० डी-70 है, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० डी-69
पश्चिम : सड़क जिसके सामने नाला है
उत्तर : सर्विस लेन
दक्षिण : रिंग रोड

अंजनी ओझा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 28-2-1979.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर-III/
508/जून-46/78-79/6343.—अतः मुझे, अंजनी ओझा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिनकी सं० एल-36 है तथा जो कालकाजी
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान
प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राज पाल, मुमुव श्री जान चन्द, निवासी
डी-70, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीर सिंह धान, मुमुव स्वर्गीय श्री जीवन
सिंह धाम, निवासी 16/2, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिनका नं० एल-36 है और क्षेत्रफल 380 वर्ग
गज है, कालकाजी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व : लेन
पश्चिम : रोड
उत्तर : प्लॉट नं० एल-37
दक्षिण : लेन

अंजनी ओझा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III/
517/जून-11 (16)/78-79/6343--प्रतः मुझे, अंजनी
श्रीला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 41 है तथा जो मस्जिद रोड,
जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ख
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :-

(1) श्री रतन लाल सुपुत्र श्री कान्ही राम, निवासी
बी-340, जे० जे० कान्हीबी, हगतल, दिल्ली-1
(अन्तरक)

(2) श्री पियारा लाल तथा श्री हरीश चन्द्र बेदी
सुपुत्र श्री महाराज किशन बेदी, निवासी 2/15,
उबल स्टोरी, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समान होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीयकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 41 जिसका क्षेत्रफल 351 वर्ग फुट है,
मस्जिद रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में है।

अंजनी श्रीला,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III
जून-11 (6)/513/78-79/6343—अतः मुझे अंजनी ओझा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जोनापुर गांव,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 17-6-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—50 6GI/78

(1) श्री हरी गोपी चन्द, सुपुत्र श्री तन्वू तथा श्री
यादू, सुपुत्र श्री जवाहर, निवासी जोनापुर, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरदारनी निलेप कौर, पत्नी श्री राजदेव
सिंह, निवासी गोबिन्द सदन, गदाएपुर गांव, नई
दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं वही धर्म होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 18 बीगा तथा 13 बसवा
है, मिन नं० 11, किला नं० 20-3 (1-4), 21/1 (1-
4), मिन नं० 12, किला नं० 16/2 (2-16), 17 (4-
10) 24 (4-3), 25 (4-16), जोनापुर गांव नई दिल्ली में
है।

अंजनी ओझा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979
मोहर :

प्रथम आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकमु०/1/एस० आर०-II/जून-1 (11)/493/78-79/6343—अतः मुझे अंजनी ओझा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सुलतानपुर गांव, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित श्रवितियों, प्रस्तातु:—

(1) श्री शिव लाल, सुपुत्र श्री चानन राम, निवासी एम-7, मालविया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार, श्री सुरीन्द्र कुमार तथा नरीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी 1552, कोटलामुबारकपुर, नई दिल्ली तथा श्री जगदीश राय, सुपुत्र श्री लभा राम, श्रीमती सत्या देवी, पत्नी श्री जगदीश राय तथा श्री ओम प्रकाश, सुपुत्र श्री वाली राम, निवासी 1553, कोटलामुबारकपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 बीघा तथा 1 बिसवा है, खसरा नं० 752 (4-16), 753 (3-6), 754 (6-19) है, सुलतानपुर गांव, तहसील महरोली, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओझा,
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-III-
जून/512/78-79/6343--अतः मुझे अर्जनी ओझा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गदाएपुर गांव,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-6-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अहिल्या बाई वोहरा, पत्नी श्री बी० जे०
वोहरा, निवासी 4, बीरबडले स्ट्रीट केट-
ब्रीनेस आनटेरीओ, कनाडा। इनके जनरल अटो-
रनी श्री राय साहिब देवी दयाल वर्मा, सुपुत्र
श्री हर भगवान दास वर्मा, निवासी 8, वेस्ट
पटेल नगर, नई दिल्ली-1।

(अन्तरक)

(2) श्री नरीन्द्र सिंह तथा वरीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री
जसवंत सिंह, निवासी मकान नं० 1096, गली
नं० 10, गोविन्दपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बीगा तथा 19 बिसवा
है, और खसरा नं० 430 (0-4), 431 (0-4), 432
(4-16), 433 (4-16), 434 (4-16), 437 (0-3)
है, गदाएपुर गांव, नई दिल्ली में है।

अर्जनी ओझा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर० 78-79/117—यतः मुझे,
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 502 सुल्तान है, जो पिण्ड रोड, अमृतसर में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रू० से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कल्याण सिंह सुत्र ब्याल सिंह, मकान नं० 1482/13, चौक लक्ष्मनसर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र तथा सिंह, मकान नं० 3806 बजार नं० 2 कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 12/23 स्कोयर गज, ख० नं० 502, मेन सुल्तान पिण्ड रोड, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2275, तारीख 19-9-78 जैसा कि रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/119—यतः, मुझे,
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है, जो सरकुलर रोड, आर० आर० बाला कालेज, बटाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्दृष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री परदीप सिंह पुत्र कुलदीप सिंह, वासी बटाला जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मेहर चन्द पुत्र श्री बिशन दास, गांव बहादुर पुर राजिया, जिला हरघीवाल, तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरितों)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवत्त है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान सरकुलर रोड, निकट आर० आर० बाला गुरुज कालेज, बटाला, जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 2291 तारीख 15-6-78 आफ रजिस्ट्री अधिकारी बटाला में दर्ज है।

जी० एल० गारू,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/78-79/120—यतः, मुझे,
जी० एल० गारू,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० तीन दुकानें नं० 267, 268 और 269
हैं, जो कूपर रोड अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांत
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री जानकी दाम मेहरा
निवासी बम्बई द्वारा श्रीमती राज कुमारी निवासी
कूपर रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती व्यास देवी पुत्री श्री खलोचन राम पत्नी
श्री राम विता मार्फत राम दिता बम्बई-वट,
कूपर रोड, अमृतसर। श्री कमलजीत सिंह पुत्रान
श्री हरभजन सिंह, रीजेंट फोटोग्राफर, कूपर
रोड, अमृतसर।

श्रीमती विना कुमारी पुत्री कैप्टेन हरी सिंह,
पत्नी श्री सुखदेव मार्फत ब्राइटवे ड्राई क्लीनर,
कूपर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिपोग में
सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि
रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद तीन दुकानें जिनका नं० 267, 268 और
269 जो कि कूपर रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्टर डीड
नं० 831 तारीख 2-6-78 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर
शहर में स्थित है।

जी० एल० गारू, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79/118--यतः, मुझे,
जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 89 है, जो अबादी सन्त नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या कमी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्री हरपाल सिंह पुत्र सन्ता सिंह, अबादी सन्त
नगर, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री निर्मल सिंह पुत्र सन्ता सिंह, प्लॉट नं० 89,
अबादी सन्त नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 में है, यदि कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिस्ट्री बिल्डिंग जो सन्तनगर अमृतसर में है जो
रजिस्ट्री नं० 1120 दिनांक 27-6-78 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 16-2-79

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एम०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79/124--यतः मुझे,
 जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 49 कनाल, 12 मरले है और जो
 पिंड जोजा शितरा तहसील गुरदासपुर में स्थित है (और
 इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

- (1) श्रीमती मुदिया कौर पुत्री रुद्र सिंह, जोजा शितरा
 तहसील गुरदासपुर (अन्तरक)
- (2) श्री बकशीश सिंह पुत्र चतर सिंह जोजा शितरा,
 तहसील गुरदासपुर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेदार
 हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
 है)
- (4) यदि कोई आवामी इस जमीन में रुचि रखता हो तो
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन 49 कनाल, 12 मरले पिंड जोजा शितरा तहसील
 गुरदासपुर जैसा कि डीड नं० 2005 दिनांक 14-6-1978
 को रजिस्ट्रीकर्ता तहसीलदार गुरदासपुर में है।

जी० एल० गारू

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 21-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल० डी० एच०/आर०/68/78-79—

मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिमहा क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा
जो गांव नन्दपुर तहसील लुधियाना में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं प्रायः या कितो घन या अन्य मास्त्रियो;
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—506GI/78

(1) श्री हरजीत सिंह व श्री अजमेर सिंह पुत्र श्री
चनन बासी गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना ।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स सागर इंजीनियरिंग वर्क्स, यूनिट नं० 2,
प्लॉट नं० 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना
द्वारा श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वेषकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है और जो गांव नन्दपुर
तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 3017, जुलाई, 1978 में दर्ज
है) ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल डी एच/आर/75/78-79—यतः,
मुझे, नत्थू राम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 16 मरले
है तथा जो गांव हीरा, तहसील व जिला लुधियाना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जुलाई, 1978 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण से,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री बुद्धी राम पुत्र श्री गजू
सल, वासी गांव हीरा, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जल्मी लाल ओमवाल पुत्र श्री विद्या भागर
ओमवाल, वासी 396/1 बी-19, घुमार मण्डी,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 19 मरले है और
जो गांव हीरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के विलेख संख्या 3266, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० एल० डी० एच०/आर०/91/78-79—अतः

मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरजीत सिंह व श्री अजमेर सिंह पुत्र श्री चनन वासी गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) मैमर्स सागर इंजीनियरिंग वर्कस, यूनिट नं० 2 प्लॉट नं० 419, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना द्वारा श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है और गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5120-ए, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० एन० डी० एच०/38/78-79—अतः मुझे, नरथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० बी०-19-909 है तथा जो टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० अवचल सिंह पुत्र डा० रघवीर सिंह वासी बी-19-909, टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्री सुरेश भावर पुत्र श्री राम निबाम, भारफत भावर गृकपरे क्लीनिक, टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० बी०-19-909, टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 846, जून, 1978 में दर्ज है।)

नरथू राम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/44/78-79—अतः मुझे,
नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० जायेदाद नं० बी-19-909 है तथा जो
टैगोर नगर, राजपुरा, रोड, लुधियाना में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० अब्दुल मिह पुत्र डा० रघवीर सिंह वासी
बी-19-909, टैगोर नगर, राजपुरा रोड, लुधि-
याना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा झावर पत्नी सुरेश झावर वासी
मार्फत झावर एक्मरे क्लिनिक, टैगोर नगर,
राजपुरा रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

अनुसूची

जायेदाद नं० बी-19-909, टैगोर नगर, राजपुरा रोड,
लुधियाना।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 1114, जून, 1978 में दर्ज
है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती हरनाम कौर विश्रवा श्री करतार सिंह,
गांव मांगट, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० एल० डी० एच०/46/78-79—अतः मुझे,
नत्थू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 7 मरले
है तथा जो गांव मांगट, तहसील लुधियाना में स्थित है
(और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून, 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किराया आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किराया आय या किसी वन या अन्य अस्तित्वा को
जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातु :—(2) श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह, वासी गांव
मोरांवाली तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर
अब मार्फत श्री अमर सिंह पालीवाल (होशियार-
पुर वाला) गांव मांगट, जिला लुधियाना।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।राजपत्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 7 मरले है और जो
गांव मांगट, तहसील लुधियाना में स्थित है।(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 1150, जून, 1978 में दर्ज
है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० पी टी ए०/51/78-79—यन: मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है तथा जो गांव धलोड़ी तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, प्रार्थी

(1) श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह वामी बाल बाग कोठी, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जगजीत सिंह व इन्दरजीत सिंह पुत्र कैप्टन भजन सिंह वामी 23-बो, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है और जो गांव धलोड़ी तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के त्रिलोच सं० 1575, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० के० एन एन०/35/78-79—यतः, मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० मिनेमा, बिन्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 3 मरले है तथा जो गांव भाटियां नजदीक खन्ना जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थों, प्रेषित:—

(1) श्री लच्छमन दाम उर्फ लच्छू राम पुत्र चौधरी रामा मल वासी खन्ना, जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) मैमर्ज नटराज इंटरप्राइज, जी० टी० रोड, खन्ना, जिला लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिनेमा बिन्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 3 मरले है और जो गांव भाटियां, नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खन्ना के कार्यालय के विवेक संख्या 860, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979
मोहर :

प्रकाश सं० सी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० के एन एन०/36/78-79—यतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव भाटियां, नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काबिल नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उबने में सूत्रिणा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या संपत्ति या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6—506GI/78

(1) श्रीमती विष्णा रानी पारी गगनगंज दाम, वासी
खन्ना, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

(2) मैजर् नटराज इंटरप्राइसेज, जी० टी० रोड,
खन्ना, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में बिना जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 17 मरले है और जो गांव भाटियां, नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या 761, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निवेश सं० के एन एन०/37/78-79—यतः मुखे,
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव भाटियां नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य आन्तरियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उक्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार हमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायण राम पुत्र श्री नछमन दास उर्फ लच्छू, वासी खन्ना, जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स नटराज इंटरप्राइजेज, जी० टी० रोड, खन्ना, जिला लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हममें उक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिनेमा बिल्डिंग व भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 18 मरले है और जो गांव भाटियां नजदीक खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या 862 जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० एएमएल०/78/78-79—यन., मुक्त, नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसका सं० भूमि जमाका क्षेत्रफल 1 बीघा 10 बिस्वा है
तथा जो गांव नसराली नजदीक मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील अमलोह
में स्थित है (और इनके उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के निम्नलिखित पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तविक अवधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) किसी किमा आय या किमा धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

1. श्री मन्शी राम पुत्र श्री भजन लाल,
सर्वश्री माधूराम व विधी चन्द पुत्र श्री पन्ना लाल,
वासी मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।
(अन्तरक)

2. मैसर्स इंडियन मेकैनिकल वर्क्स, मंडी गोबिन्दगढ़
द्वारा श्री नरिन्दर कुमार, पार्टनर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जमाका क्षेत्रफल 1 बीघा 10 बिस्वा है और जो
गांव नसराली, नजदीक मण्डी, गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायदाद जसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के
कार्यालय बिलेख संख्या 869, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एएमएल०/86/78-79—वा: मुझे,
नन्धू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस धनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसे उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० दुकान, लोहा बाजार, है तथा जो मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का स हविष्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को भारत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269-घ का उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री विमोद कुमार, नरिन्दर कुमार, राजिन्दर कुमार, दिविन्दर कुमार, अशोक कुमार व सतीश कुमार पुत्र श्री मोहन लाल वासी मण्डी गोबिन्द गढ़, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कैल स्टील फार्पारेसन, लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला द्वारा श्री केहर सिंह पुत्र श्री अचल सिंह, पार्टनर।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के प्रिन्स संख्या 967, अगस्त, 1978 में दर्ज है।)

नन्धू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० सीएचडी०/159/78-79—यत. मुझे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 44, सेक्टर 21-ए, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल में, तब
वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कैप्टन साधू सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह, मकान
नं० 1144, सेक्टर-21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार कोछर पुत्र श्री एस० एल०
कोछर, शाखा मैनेजर, नेशनल इन्श्योरेंस कम्पनी,
एस० सी० ओ०-5, सेक्टर 17-इ, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 44, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 232, जून, 1978 में दर्ज
है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० सीएचडी०/160/78-79—यतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 406, सेक्टर 37-ए, जिसका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि:—

(1) श्रीमती नीलम भासीन पुत्री श्री राजिन्दर कुमार भासीन, वासी 126, सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री कर्म सिंह पुत्र श्री बरजिन्दर सिंह वासी मकान नं० 606, सेक्टर 10-डी चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जागी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 406 सेक्टर 37-ए जिसका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है और जो चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 234/1 जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० पीटीए०/49/78-79—यतः मुझे नत्थू
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 18
मरले है तथा जो गांव धलोड़ी, तहसील व जिला पटियाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती दलीप कौर बिधवा महाराजा भूपिन्दर
सिंह, लाल बाग कोठी, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुरदेव सिंह गरेवाल एण्ड कम्पनी, पटियाला
द्वारा गुरदेव सिंह गरेवाल, 23-वीं, माडल टाउन,
पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 18 मरले है और जो
गांव धलोड़ी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के खिलेख संख्या 1521 जून, 1978 में दर्ज
है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० पीटीए०/61/78-79—यतः मुझे नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल है (329 कनाल 18 मरले गलत बताया गया है) तथा जो गांव धलोड़ी तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री नग्याम सिंह पुत्र श्री मुचेत सिंह व श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री मुचेत सिंह गांव धलोड़ी तहसील व जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरकिरण कौर पुत्री श्री मेहर सिंह वासी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल है (329 कनाल 18 मरले गलत बताया गया है) और जो गांव धलोड़ी, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1747, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० बीडब्ल्यू एन०/42/78-79—यतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 107 कनाल 10 मरले है तथा जो भवानीगढ़ ठूला पलाव, जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—506GI/78

(1) सर्वश्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री मस्तान सिंह, गुरदियाल सिंह पुत्र विष्णु सिंह बन्त सिंह पुत्र भगवान सिंह, जागर सिंह पुत्र हरदम सिंह, प्रीतम सिंह पुत्र धुला सिंह, छोटा सिंह पुत्र गोबिन्द सिंह वासी भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री भरपूर सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र काका सिंह गांव कंधारगढ़ छात्रा, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और चर्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 107 कनाल 10 मरले है और जो भवानीगढ़ ठूला पलाव, जिला संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 725, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निदेश सं० बीडब्ल्यूएन०/43/78-79—यतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 108 कनाल 16 मरले है तथा जो भवानी गढ़, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री निहाल सिंह पुत्र बरियाम सिंह, गुरुमुख सिंह पुत्र बरियाम सिंह, जंगीर सिंह पुत्र विशन सिंह, अजमेर सिंह पुत्र किशन सिंह, भान सिंह पुत्र धौकल सिंह, मिशरा सिंह तुड़ वकील पुत्र बुद्ध सिंह वासी भवानीगढ़, डा० भवानीगढ़, जिला संगरूर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सुरजीत सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र काका सिंह, कन्धारगढ़, छाप्ता, तहसील भलेरकोटला, जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 108 कनाल 16 मरले है और जो भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 726, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० बीडब्ल्यूएन०/44/78-79—यतः सुक्षे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 109 कनाल 18 मरले है तथा जो भवानीगढ़, तहसील ब जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) सर्वश्री परीतम सिंह पुत्र काहला सिंह, हरकिशन सिंह पुत्र नन्द सिंह, काकू सिंह पुत्र हमीर सिंह, उत्तम सिंह पुत्र बसंत सिंह, नौरंग सिंह पुत्र राय सिंह, जोगिन्दर सिंह पुत्र जंगीर सिंह वासी भवानी गढ़, तहसील ब जिला संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी बलवन्त सिंह, गुर-दियाल कौर पत्नी मोहिन्दर सिंह, रणजीत कौर पत्नी भरपूर सिंह, जसमेर कौर पत्नी सुरजीत सिंह, वासी कन्धारगढ़, छात्रा, डा० छिन्टावाला, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 109 कनाल 18 मरले है और जो भवानीगढ़, तहसील ब जिला संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भवानीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 727, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निदेश सं० एलडीएच०/43/78-79—यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 78 (बी-13-406-ए) है तथा जो रख बाग, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्ति्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षातु :—

(1) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी श्री जगतार सिंह वासी 78, रख बाग, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) डा० पुष्पिन्दर कौर पत्नी डा० एकबाल सिंह वासी 78-कल्ब रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 78 (बी-13-406-ए) रख बाग, लुधियाना।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 946, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल डी एच०/109/78-79—यतः मुझे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-ए, जिसका क्षेत्रफल 558.66
वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय और बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
अनुधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चरनजी लाल पुत्र श्री रत्ना राम पुत्र श्री
सावन मल वासी 1134-धुरी लार्डन, आजाद
नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती मेल कौर विधवा श्री गुरुचन सिंह पुत्र
श्री हीरा सिंह वासी 223, इंडस्ट्रियल एरिया,
ए, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3-ए, जिसका क्षेत्रफल 558.66 वर्ग गज है
और जो इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 2548, सितम्बर, 1978 में
दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० एल डी एच०/71/78-79—यतः मुझे,

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं०

मकान नं० 2-डी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज (1/2 भाग 734 वर्ग गज का) है, तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुब्बा सिंह पुत्र दशौधा सिंह, श्री धन्ना सिंह पुत्र श्री भाग सिंह, 436-एल, माडल टाउन, लुधियाना, श्री बाबा सिंह पुत्र कृपाल सिंह, भारत नगर चौक, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री रमेश चन्द, सुभाष चन्द पुत्र प्रकाश चन्द 79 इण्डस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2 डी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज (1/2 भाग 734 वर्ग गज का) है और जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3091, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल डी एच०/आर०/65-ए/78-79—

यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2-डी, जिसका क्षेत्रफल 367
वर्ग गज है (1/2 भाग 734 वर्ग गज का) तथा जो सराभा नगर,
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जून, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाव :—

(1) श्री सुब्बा सिंह पुत्र दणौधा सिंह, श्री धन्ना सिंह
पुत्र श्री भान सिंह, 436-गल, माडल टाऊन,
लुधियाना, द्वारा श्री बाबा सिंह पुत्र कृपाल सिंह,
भारत नगर चौक, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रमेश चन्द, सुभाष चन्द्र, पुत्र प्रकाश चन्द्र
79-इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2 डी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज
(1/2 भाग 734 वर्ग गज का) है और जो सराभा नगर
लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 2848, जून, 1978 में दर्ज
है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० पीटीए०/74/7879—यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा 8 बिसवा है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री अजीत सिंह पुत्र भगत सिंह वासी अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी अजीत सिंह, [गांव अलीपुर अरीआं, तहसील पटियाला, प्रभजोत सिंह, गुरजोत सिंह पुत्र इन्दर सिंह 7-दशमेश नगर, पटियाला, गुरतेज सिंह पुत्र अजीत सिंह, गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला, श्रीमती बलजिन्दर कौर पत्नी पुष्पापिन्दर सिंह, 7-दशमेश नगर, पटियाला, श्री प्रीतईन्दर सिंह पुत्र मेजर तेजा सिंह, 7-दशमेश नगर, पटियाला, श्री अमरजीत सिंह पुत्र बख्शीश सिंह वासी कोली, श्रीमती प्रभजोत कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह, 10/9ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा 8 बिसवा है और जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिलेख संख्या 1790, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० पीटीए०/65/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा 7 बिश्वा है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—506G1/78

(1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह पुत्र भोला सिंह वासी गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री गुलजार सिंह, दिलदार सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह, प्रीतम सिंह पुत्र ईश्वर सिंह, सुरिन्दर कौर गरेवाल पत्नी अजीतपाल सिंह, रणविजय सिंह पुत्र अजीतपाल सिंह, तेजपाल कौर पत्नी बरिन्दरपाल सिंह वासी पटियाला, गुरदीप सिंह डिल्लों पुत्र हजुरा सिंह डिल्लों, मनदीप सिंह पुत्र गुरदीप सिंह डिल्लों, हरदीप कौर पुत्री गुरदीप सिंह डिल्लों वासी पटियाला, सुरिन्दर प्रताप सिंह पुत्र दर्शन सिंह, रजिन्दरप्रताप सिंह पुत्र दर्शन सिंह वासी गांव अलीपुर अरीआं तहसील व जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धाओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा 7 बिश्वा है और जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1792, जून 1978 में दर्ज है ।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी, 1979

निदेश सं० पीटीए०/38/78-79—प्रतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीघा 5 बिश्वा है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शंकर सिंह पुत्र शेर सिंह वासी गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला । (अन्तरक)

(2) मैसर्स बरखा राम जगन नाथ, आकृती अनाज मण्डी, नाभा गेट, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीघा 5 बिश्वा है और जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1074, जून, 1978 में दर्ज है ।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/62/78-79-—अतः मुझे,

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा है तथा जो गांव अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या धन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति:—

(1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मलखिन्दर सिंह फैमिली ट्रस्ट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बीघा है और जो अलीपुर अरीआं, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1762, जून, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 21 फरवरी, 1979।

मोहर :

प्रकृप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० एस० आर० डी०/145/78-79—यतः मुझे,

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 62 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हसनपुर तहसील सरहिन्द (छलेड़ी खुर्द) में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्चसे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुचिन्ता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

[अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निरवैर सिंह पुत्र बूटा सिंह, वासी हसनपुर (छलेड़ी खुर्द) तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री समपूर्ण सिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र दिवान सिंह, श्री मनजीत सिंह, कुलदीप सिंह, हरदीप सिंह पुत्र श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह वासी हसनपुर छलेड़ी खुर्द) तहसील सरहिन्द। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 62 कनाल 11 मरले है और जो गांव हसनपुर, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 1331, जून, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/170/78-79-यतः मुझे,
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप कम फ्लैट नं० 30, सेक्टर 22-डी०,
है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री जन्नी लाल पुत्र श्री कान्शी राम वासी मकान
नं० 1181, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जय कुमार जैन पुत्र श्री एस० के० जैन,
वकील, 2. श्रीमती नीलम जैन पत्नी राकेश जन,
3. श्री सुशील कुमार जैन पुत्र स्व० श्री ज्ञान चन्द व
4. श्री सादो लाल जैन पुत्र स्व० दिना नाथ जैन,
मारफत जैन ज्यूलरज शाप कम फ्लैट नं० 7,
सेक्टर-22 डी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स प्रेम टेलर्स, शाप कम फ्लैट नं० 30,
सेक्टर-22 -डी०, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप कम फ्लैट नं० 30, सेक्टर 22-डी०, चण्डीगढ़
जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 94 वर्ग गज है।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 315, जून, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 21 फरवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/63/78-79—प्रतः

मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल, 8 मरले है तथा जो गांव दराया, यू० ट० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती लाभ कौर पत्नी श्री पाखर सिंह वासी गांव कुराली तहसील राजपुरा जिला पटियाला द्वारा श्री पाखर सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, जनरल अटारनी, वासी गांव कुराली, तहसील राजपुरा जिला पटियाला। (अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री बूज मोहन पाल वासी मकान नं० 252, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेंध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोडुस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 8 मरले है और जो गांव दराया, यू० ट० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 260, जून, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जुन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 21 फरवरी, 1979
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश सं० एम० एम० आर०/49-78/79—अतः मुझे
नरथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका क्षेत्रफल 145 कनाल
13 मरले है तथा जो गांव कीड़ी अफगाना तहसील समराला
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
समराला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री मोहिन्दर सिंह, जोगिन्दर सिंह, नरन्जन
सिंह पुत्र श्री मिनखा सिंह वासी गांव कीड़ी,
अफगाना, तहसील समराला।
(अन्तरक)

2. श्री देव राज पुत्र मोहन लाल पुत्र जगन नाथ,
गांव अजनाली, डाकघर गोबिन्दगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 145 कनाल 13 मरले है और
जो गांव कीड़ी अफगाना, तहसील समराला में स्थित है।
(जायेशद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समराला
के कार्यालय में विलेख सं० 1278, जून, 1978 में
दर्ज है।)

नरथू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 21 फरवरी, 1979
मोहर :

प्ररूप धार्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 फरवरी 1979

निदेश सं० एस० एम० आर०/73/78-79—प्रतः मुझे
नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 90 कनाल 18
मरले है तथा जो गांव कीड़ी अफगाना तहसील समराला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सम-
राला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;
हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री गुरदियाल सिंह, गुरपाल सिंह, सतनाम
सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह, वासी कीड़ी, अफगाना,
तहसील समराला। (अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल पुत्र रामजी दास मारफन मैमर्ज
राकेश कुमार राजेश कुमार, बलाथ मर्चेंट्स,
सुभाष बाजार, खन्ना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 90 कनाल 18 मरले है और जो
गांव कीड़ी अफगाना, तहसील समराला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समराला
के कार्यालय के विलेख सं० 2342, जून, 1978 में दर्ज
है।)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 21 फरवरी 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री जी० वेमा रेड्डी कोल्लीपरा

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बी० राजेस्वरी कोल्लीपरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

काकीनाडा, दिनांक 18 नवम्बर 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 835—यतः मुझे एन० के० नागराजन, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 244 है, जो थागटिपाडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुध्दुरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या कि ी न या अन्य प्राप्तिओं को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-506GI/78

अनुसूची

बुध्दुरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1019/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),
एम वी अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 18 नवम्बर 1978-
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री जी० वेमारेड्डी कोल्लीपारा ।

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० संजीवरेड्डी कोल्लीपारा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 836—यतः मुझे एन० के० नागराजन
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 244 है, जो थागनटिपाड में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुधयुरु में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बारम्बारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

बुधयुरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 979/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 18 नवम्बर 78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 837—यतः मुझे एन० के० नागराजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 790 है, जो काटूरु में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, वुष्ट्युरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- (1) श्रीमती पी० वज्रम्मा विजयवाडा
(अन्तरक)
- (2) श्री जी० कोटेश्वरराव विजयवाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वुष्ट्युरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 854/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम वी अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 838—यतः मुझे एन० के० नागराजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 790/1, 3 और 4 हैं, जो काटूरु में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वुथुरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य धास्तिवों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वी० चन्द्रासेकरराव (2) वी० कोटेश्वर भा
(3) वी० नावानी संकर (4) वी० अष्टवुत्तराव
(5) वी० बसवय्या (6) वी० वज्रम्मा (7) वी०
जयप्रकाश (8) वी० लक्ष्मी प्रसाध विजयवाडा
(अन्तरक)

(2) श्री जी० कोटेश्वरराव विजयवाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वुथुरु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 853/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम वी अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 18 नवम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 दिसम्बर 1978

सं० 849—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 11-41-5 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-6-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जी० लक्ष्मीकान्तम, विजयवाड़ा
(अन्तरक)

(2) श्री डी० संकरराव विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

(3) मुक्ता ऐजनसीस

2. मोहनलाल विजयवाड़ा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2737/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वी अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 दिसम्बर 78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 851—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कड़ा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० 205/1 है, जो कानारु में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
14-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, प्रकटित:—

(1) श्रीमती के० राज्यलक्ष्मी विजयवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री (1) डी० वीराध्वर्या (2) डी० रवीन्द्रनाथ
टागूर (3) डी० रामाराव (4) डी० नागेन्द्र बाबु
विजयवाड़ा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2714/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वी अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 852—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 205/1 है, जो कानूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन सिरसलिखित व्यक्तियों अर्थात्: —

(1) श्री के० रामामोहन राव विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० वीरराघवय्या (2) डी० रवीन्द्रनाथ टागूर

(3) डी० रामाराव (4) डी० नागेन्द्र बाबू विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 15-6-78 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 853—यतः मुझे एन० के० नागरजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 60 से अधिक है

और जिसकी सं० 205/1 है, जो कानूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादा:—

(1) श्री के० बाकाकृष्ण येनमलकुदुरु

(अन्तरक)

(2) श्री डी० बीरराघवय्या (2) डी० खीन्द्रनाथ टागूर-
(3) डी० रामाराव (4) डी० नागेन्द्र बाबू
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2712/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागरजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० वी० अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 12 दिसम्बर 1978

मोहर:

यका धाई० टो० एन० एस०-----

(1) श्रीमती के० राज्यलक्ष्मी विजयवाडा

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० 850—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 205/1 है, जो कानून में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14-6-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य भास्तिगों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—506GI/78

(2) श्री डी० वीरराघवय्या (2) डी० रवीन्द्रनाथ टागूर
(3) डी० रामाराव (4) डी० नागेन्द्रबाबू विजयवाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2754/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 12 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री मैयद गालिब कंचलीपालेम

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री ए० सत्यश्वारायण तेनाली

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 854—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 28/3, 27/2 और 24/10 है, जो तेनाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रारितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीतः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोइस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से प्राक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1610/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सैयद कामिम जाहिद कंचलीपालेम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० सत्यनारायण तेनाली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 855—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० 28/3, 27/2 और 24/10 है, जो तेनाली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आब या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्वातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1611/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 856—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 28/3, 27/2 और 24/10 है, जो तेनाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री सैयद हुसेन कंचलीपालेम ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सत्यनारायण तेनाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1612/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सी० एच० बुज्जम्मा पुनार्जनकसन
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 857—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23-23-43 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) 1. श्री टी० इमेगानन्दराव
2. श्री टी० सावित्री विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2921/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 858—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 52/1, 2 और 3 है, जो सीतारामपुरम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखा-पटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० एन० पातूडु (2) एम० चित्रयया पातूडु
(3) एम० नरसिम्हाचार्य पातूडु वैजाग (अन्तरक)

(2) 1. श्री बी० विजय वर्धना
2. श्री बी० विष्णु वर्धना कोतवलसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3817/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० वि० अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 859—यत—मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 23/1 और 2, 27/1, 26/5 और 28/7 है, जो चिकनला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नाकपाडु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री जी० जयरामाराव (2) जी० ब्रह्मानन्द राव (3) जी० मामबमिवराव (4) जी० श्रीनिवामा राव चिकनला (5) जी० वेंकटा कृष्णन राव वीरंकिलाकु । (अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० बुज्जम्मा कोडूरु । (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कर्नाकपाडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 753/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 860—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27/1 और 23/4 है, जो चिकनाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ककिपाडु
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 26-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य भास्तिगों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० वेंकटा कृष्णराव (2) श्री जी० वेंकटा पुसगांव
(3) जी० मदरमनाराव वीरकिनाकु
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० बुजुम्मा कोडूरु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ककिपाडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में
पंजीकृत दस्तावेज सं० 752 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वी अर्जुन रंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 861—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16-10-39 है, जो विजयवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 12-6-78 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—506GI/78

(1) श्री सी० एच० विजयारेड्डी

(2) सी० एच० विजयाकुमारा रेड्डी, बेंगलूर
(अन्तरक)(2) श्री पी० वेंकटेश्वर राव, विजयवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2699/78 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ती

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
एम वी अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 862—यतः मूले एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-10-39 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-6-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्रीमती डा० एम० रेनुकारेड्डी, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वेंकटेश्वर राव, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाह्न संरति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संरति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2698/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 863--प्रतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिल की सं० 16-10-39 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये धनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :--

(1) श्रीमती एम० गुरुस्वामी हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री पि० वेकटेश्वरराव, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2697/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

सं० 864—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 16-10-39 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सी० सारदा देवी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पि० वेंकटस्वराव, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में 'पंजीकृत दस्तावेज नं० 2696/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ती ।

एम० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 865—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 7-15-1 है, जो श्रीकाकुलम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीकाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० आर० टाटा, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जे० सिवानंदम श्रीकाकुलम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीकाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1820/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम बी अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

सं० 867—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिस की सं० 439 है, जो गंगोलु में स्थित है (और
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोलवरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 12-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० वीरबद्रम्मा, राजमन्डी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० कान्तम, राजमन्डी।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 152/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ती।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम वि अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रकर आई० टी० ए० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० 869—यतः मुझे बी० वी० मुब्बाराव
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
 से अधिक है

और जिस की सं० 25-7-14 है, जो राजमन्डी में स्थित है
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक 23-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्ना प्रतिशत, अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठप पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
 को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
 में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री वी० रंगाराव (2) बी० विक्रमादित्य
 (3) बी० चन्द्रकिरण (4) बी० विनेकी विमाखपटनम् ।
 (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती टी० रत्नावनि
 (2) टी० नरसिंहाराव राजमन्डी
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अछोइस्ताधरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
 भाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय
 में दिया गया है ।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंग 30-6-78
 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2679/78 में निगमित अनुसूची
 संपत्ति ।

बी० वी० मुब्बाराव
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 एम वी० अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 16 जनवरी 1979
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० 868—यस: मुझे बी० वी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 17-15-8 है, जो जी० एन० टी० रोड ऐलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऐलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-6-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. (1) श्री के० राजा मिवानंद
(2) के० लोक शेपम्मा ऐलूर
(अन्तरक)
2. (1) श्री एम० सर्यनारायण (2) एम० सीतारामय्या
(3) एम० सीनिबामन भागकशा कुमार (4) एम० घनटावधानी, विजयवाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

संपादकीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऐलूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1936/78 और 1937/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

बी० वी० सुब्बाराव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 12 जनवरी 1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एन०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० 878—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 89 और 8 है, जो बोम्मूर और राजवोलु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजहमन्ड्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-6-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
 12—506GI/78

(1) श्री आर० रामाराव राजहमन्ड्री

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वेंकटाकृष्ण राजहमन्ड्री

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजहमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2785/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

बी० बी० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० 879—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 74 है, जो बोम्मरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजहमन्ड्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रति। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री आर० वेंकटा सुब्बाराव (2) आर० वेंकटा कृष्ण राव (3) आर० वेंकटा नरसिम्हा राव (4) आर० श्रीनिवामराव, राजहमन्ड्री (अन्तरक)

(2) श्री जी० पकीरय्या, राजहमन्ड्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजहमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2786/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/2-79/333

यतः, मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ई-15 है तथा जो न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० क्यूरियों हाउस, सुन्दर नगर मार्किट नई दिल्ली इनके पार्टनर्स श्री सी० एल० भरानी सुपुत्र श्री एल० राधा कृष्ण भरानी तथा श्री रामजी भरानी, सुपुत्र श्री सी० एल० भरानी, निवासी एस-9, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली के द्वारा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अमृत पाल कौर कोहली, विधवा पत्नी श्री जंग बहादुर सिंह कोहली, (2) मास्टर उरमीत सिंह, (3) मास्टर मनमीत सिंह (नाबा-लिंग) सुपुत्र श्री स्वर्गीय जंग बहादुर सिंह कोहली, इनकी माताजी श्रीमती अमृत पाल कौर कोहली के द्वारा निवासी ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48। (अन्तरिती)

(3) मै० गोबन ट्रेवल्स प्रोप्राईटर डालमिया सीमेंट (भारत) लि०, तथा मै० इन्डिया इन्स्टीट्यूट आफ माम कम्प्यूनिकेशन्स। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पांच मंजिला बिल्डिंग जोकि 250 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० ई०-15 है, न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई-14
पश्चिम : प्लॉट नं० ई-16
उत्तर : रोड
दक्षिण : रोड

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रकृप प्राई टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

[कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979

निदेश सं० आ ई० ए० सी०/एक्यु०/5-70/332—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 157-158 है तथा जो रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधिर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थि आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री साधु राम, सुपुत्र श्री नाएत राम, निवासी मकान नं० 157-158, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द, सुपुत्र श्री भाग चन्द, निवासी 157-158, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान जिसका नं० 157-158 है और क्षेत्रफल 106 वर्ग गज है, रामेश्वरी नेहरू नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सरकारी बनी हुई जायदाद
पश्चिम : खुला
उत्तर : गली
दक्षिण : सत्रिस लेन

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/3-79/335---

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रथम मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/4485 है तथा जो दाल मण्डी, पहाड़-गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय के बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गुरुबक्स सिंह सुपुत्र श्री आनन दास अरोड़ा, निवासी ए-27, फेस-II, नारायण इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अलोक कुमार, सुपुत्र श्री बन्सी लाल, निवासी मकान नं० 2401, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ माना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/4485 की पस्ली मंजिल जिसका क्षेत्रफल 180 वर्ग गज है, दाल मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : कटरा नं० 4430

पश्चिम : गली

उत्तर : मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 15/4484

दक्षिण : मकान नं० 15/4487

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/ 3-79/336—

यतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/4486 है तथा जो दाल मण्डी, पहाड़-गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, तारीख 17 जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री नानन दास अरोड़ा, निवासी मकान नं० ए-27, फेस-II, नारायणा इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री बन्सी लाल, निवासी मकान नं० 2474, नलवा स्ट्रीट, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/4486 का ग्राउण्ड फ्लोर, जिसका क्षेत्रफल 180 वर्ग गज है, दाल मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 4430
पश्चिम : गली (स्ट्रीट)
उत्तर : मकान नं० 4484
दक्षिण : मकान नं० 4487

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/3-79/334—

यतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-5/1 है तथा जो सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-1979 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राम लुभाया मलहोत्रा, सुपुत्र श्री राम दिप्ता मल, निवासी 242, फाटक करोर, अजमेरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगेन्द्रा सिंह, सुपुत्र श्री राम सिंह बजाज तथा श्रीमती कृपाल कौर, पत्नी श्री जोगेन्द्रा सिंह, निवासी ई-1/II, मालवीया नगर, नई दिल्ली। इनके अटारनी ए० जसवन्त सिंह के द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 550 वर्ग गज के लीज होल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० सी-5/1 है, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : खुला
पश्चिम : प्लॉट नं० सी-5/2
उत्तर : रोड
दक्षिण : सर्विस लेन

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रसू आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० आर०आई०/4003-18/अगस्त, 78--

अतः मुझे, वी० एस० शेषाद्री
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० सं० 768 है तथा जो मलबार
और कम्बाला हिल डिवीजन में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मिसेज रोडा धानजी भाँय, (2) फरेदा धानजी
भाँय आम्बेगिरे और (3) मोना धानजीभाँय
(अन्तरक)

(2) मैमम अभय प्रापटीज प्रा० लि०, मेतुर बर्डसेल,
लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1524/78/बम्बई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 25-8-1978 को रजिस्ट्रार
किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 23-2-1979

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1979

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० एफ० 12/1/78-ई०-I (बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 17 मार्च, 1979 में गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलोर, बांपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 7 अगस्त, 1979 में एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी—

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उनके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान या स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (वेष्टिग अनुबन्ध का पैरा-11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन दो सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओं के ग्रेड IV में रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है:—

- | | |
|----------------------------|----|
| (i) भारतीय अर्थ सेवा | 30 |
| (ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा | 25 |
- उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं में से किसी एक अथवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें:—उसे केवल उसी सेवा/उन्हीं सेवाओं के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिस/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करने समय उसकी वरीयता पर भली भांति विचार लिया जा सके।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए वरीयता क्रम में परिवर्तन में संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा

परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये केकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट—उम्मीदवारों को धेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय अर्थसेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-पत्रों से इनर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 30 अप्रैल, 1979 (14 मई, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंजमान एवं निकोबार द्वीपसमूह अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 30 अप्रैल, 1979), तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंजमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप, में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 30 अप्रैल, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंजमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र, के साथ आयोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 12.00) का शुल्क भोजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की मुख्य शाखा पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम खर्चीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैराग्राफ 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा में वास्तविक रूप में प्रस्थापित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उस के बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रस्थापित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आ है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में अस्फल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा वो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर लेने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आर० एम० अहलुवालिया,
उप-सचिव

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से बढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती काई अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोजन के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में वेर से पहुंचे हों तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोजन की आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से कार्य कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यलय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वह अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र को दो प्रतियां तैयार कर, आयोग में सीधे भेज दें, और प्रमाण-पत्र की

उस प्रतियों को तत्काल अपने कार्यलय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनु-रोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल ऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और नीचे पैरा 6)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० सी० × 7 से० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(v) जहां लागू हों वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहां लागू हों वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

(vii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न विधिवत् भरा हुआ है।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब

(ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः नवम्बर, 1979 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु अर्हता प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

सब (i), से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे तक दिए गए हैं और सब (v), (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा, 4 और 5 में दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर हानी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मैट्रिकुलेंटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हों और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था का वाणिज्य रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में किसी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख तक एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उनके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उग प्राधि-कारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में संबद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए आयोग इस माध्यम पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा। किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपने शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने के संबंध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य बातें पूरी करने हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 अक्टूबर, 1979 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० सी० × 7 से० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ओर स्थायी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:— उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित

5. (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति की निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया है—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के इजाजित केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी प्रतिरक्षित जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अधिकारी।
- (5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निर्देशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(iv) नियम 5 (ख) (vii) अथवा 5 (ख) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 5 (ख) (ix) अथवा 5 (ख) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करने हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित कामों पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का काम प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैंक _____ थी—

_____ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

दिनांक _____

* जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 5 (ख) (xi) अथवा 5 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवारों को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित कामों पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र का काम

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैंक _____ था—

_____ सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

तारीख _____

(vii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तजानिया से प्रव्रजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर आया है।

(viii) नियम 5 (ग) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए यह जिसमें लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें वे तारीख बिलिखिट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि विरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक संबंधों या कार्यकलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से उसके संबंध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग से संबद्ध है तथा नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या नरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणपत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक हो उसे अपने लिए अभीष्ट पात्रता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह

संज्ञासूचक (व्यापक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्योम न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएँ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रतिलिपि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

9. आवेदन-पत्र भरने में प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही प्रमुख तारीख को भेजा गया था। आवेदन पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि उक्त परीक्षा में संबद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती की सूचना न मिले तो उसे पावती सूचना प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में मंच लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बावें से वंचित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का व्योम सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-10054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग,

“श्री” ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा के बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय मंच लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्तसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्रों से संबद्ध पत्र-व्यवहार:— आवेदन-पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, मंच लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएँ तथा उनमें नीचे लिखा व्योम अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।

(iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

(v) आवेदन-पत्रों में दिया गया पत्र व्यवहार का पाता

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह व्योम नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

14. पत्रों में परिवर्तन:— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्रों पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्योम के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th February 1979

No. A. 32014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Deora permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis from 27-1-79 to 28-2-79 until further orders whichever is earlier.

Shri Deora should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

The 17th February 1979

No. A. 31014/2/78-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Assistants' Grade of the C.S.S. cadre officiating in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date specified against each :—

S.No. Name & Date of confirmation

1. Shri B. P. Shimpi—1-12-1977.
2. Shri B. N. Arora—1-3-1978.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy. (Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 26th February 1979

No. 98 RCT 18.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as a Section Officer in this Commission in an officiating capacity with effect from 9-2-1979 to 9-5-1979 or until further orders or whichever is earlier.

R. K. SHARMA,
Secretary.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 22nd February 1979

No. 14029/7/79-NEII.—In continuation of this Ministry's notification No. III-14028/9/75-NE. Vol. I dated the 1st May 1978, the President is pleased to extend the period of appointment of Shri H. Guha, as Adviser (Animal Husbandry) in the North Eastern Council Secretariat, Shillong, upto 30th June, 1979.

S. S. PARMAR,
Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 26th February 1979

No. O.II-108/69-Estt.—Consequent on the expiry of term of re-employment in the C.R.P.F. Lt. Col. T.D. Radhakrishnan (Retd) relinquished charge of the post of Commandant G.C., CRPF Pallipuram on the afternoon of 2nd February 1979.

No. O.II-289/69-Estt.—Consequent on the expiry of term of re-employment in the C.R.P.F., Shri Ganesh Ram relinquished charge of the post of Commandant, 3 Bn, CRPF on the afternoon of 31-1-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm.)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th February 1979

No. P-30/65-Ad.V.—On reversion from the Commission of Inquiry on Martyr Affairs, Shri P. S. Mahadevan assumed

charge of the post of Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of the 2nd January, 1979.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A) C.B.I.

New Delhi, the 21st February 1979

No. T/1/73-Ad.II.—Shri Tikam Dass Sachdeva, Stenographer Grade 'B' of CSSS Cadre of Ministry of Home Affairs is retired from service w.e.f. 25-1-79 (A.N.) vide Ministry of Home Affairs Order No. A.38013/8/78-Ad.I(A) dated 29-1-79 under the scheme for voluntary retirement of Central Government Employees in accordance with the Department of Personnel & A.R. O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-77.

Shri Sachdeva relinquished charge of the post of Senior P.A. (Stenographer Grade 'B') on 25-1-79 (A.N.).

The 22nd February 1979

No. A-35018/6/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. J. Shukla, Sub-Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1-2-79 until further orders.

JARNAIL SINGH,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation,

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 23rd February 1979

No. F-16014(4)/1/75-Pers.—On repatriation, Shri H. P. Singh relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of 15th Jan. 1979.

NARENDRA PRASAD,
Asstt. Inspector General (Pers.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 21st February 1979

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 8-2-1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri R. N. Talwar as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, for a further period of six months with effect from 1 January, 1979 upto 30 June 1979, or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Talwar will continue to be at New Delhi.

The *ad hoc* appointment as Assistant Director (Programme) will not bestow upon Shri Talwar any claim to regular appointment to the post of Assistant Director (Programme). The services rendered by him on *ad hoc* basis as Assistant Director (Programme) will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. This above *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 4-12-1978, the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala as Assistant Director of Census operations (Technical) in the same office, with his headquarters at Trivandrum, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period of three months with effect from 1-1-1979 to 31-3-1979, or until further orders, whichever period is shorter.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 1st February 1979

No. ES.1/A4/78-79/778.—The Accountant General is pleased to promote Shri S. Sarangan, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further Orders, without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

The promotion is subject to the ultimate results of writ petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

The 16th February 1979

No. ES.1/A4/78-79/810.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Shri.

1. T. S. Krishnamurthy (1).
2. M. C. Srinivasan.

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN,
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,
CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 24th February 1979

No. Au/Admn/Misc/Con/1371.—Shri S. V. Subramanian an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-4-1978.

No. Au/Admn/Misc/Con/1371.—Shri M. N. Rana an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-4-1978.

No. Au/Admn/misc/Con/1371.—Shri M. R. Joshi an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-8-1978.

No. Au/Admn/Misc/Con/1371.—Shri G. D. Bhagwat an officiating Audit Officer of this office is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-8-1978.

A. N. BISWAS, Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 15th February 1979

No. 7/79/G.—On attaining the age of 58 years Shri T. F. Decunha, offg. Dy. Manager (Subs/Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-12-78 (AN).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General, Ordnance Factories,

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES
AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 20th February 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/806/67-Admn(G)/1527.—On attaining the age of superannuation, Shri R. P. Basu, a permanent Section Officer of CSS and an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports relinquished the charge of the post in this office on the afternoon of the 31st January, 1979.

No. 6/1006/73-Admn(G)/1538.—On attaining the age of superannuation, Shri B. L. Malhotra, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st January, 1979.

The 27th February 1979

No. 6/1072/75-Admn(G)/1778.—On attaining the age of superannuation, Shri C. K. Nair, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras, on the afternoon of the 31st January, 1979.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 17th February 1979

No. 10(2)/77-79/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB-II, dated the 19th December, 1974, namely :—

1. In the Schedule appended to the said Notification :—

- (1) in the existing entry in column 3 against S. No. 1, for the words and mark "two months", the words and mark "three months" shall be substituted.
- (2) in the existing entry in column 3 against S. No. 2, for the words and mark "three and half months", the words and mark "four and half months" shall be substituted.
- (3) in the existing entry in column 3 against S. No. 3, for the words and mark "three months", the words and mark "four months" shall be substituted.

2. In the second proviso below the Schedule, for the words "four and half months", the words "six months" shall be substituted.

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY

DTE, GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 21st February 1979

No. A6/247(36)/II.—Shri Z. A. Saiyed permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) [Grade III of IIS (Group A) Engg. Branch] in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31st January 1979 on attaining the age of superannuation.

The 24th February 1979

No. A-6/247(322).—Shri A. N. Chatterjee, permanent Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A) (Engg. Branch) and officiating Dy.

Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) in the Calcutta Inspection Circle, retired from Govt. Service on the afternoon of 31-1-1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

P. D. SETH,
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th February 1979

No. A-19011(225)/78-Estt A.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Taluja, Senior Technical Assistant (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2/2/1979, until further orders.

S. BALAGOPAL,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 20th February 1979

No. C-5468/718.A.—The *ad hoc* appointment of Shri U. S. Srivastava as Establishment and Accounts Officer in Surveyor General's Office w.e.f. 27-11-78 for 60 days *vide* this office Notification No. C-5449/718-A dated the 21st December, 1978 is extended for a further period of 8 days from 26-1-79 to 2-2-79 *vide* Shri J. P. Sharma, Establishment and Accounts Officer, S.G.O. proceeded on leave for 15 days from 19th January, 1979 to 2nd February, 1979.

K. L. KHOSLA,
Major General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th February 1979

No. 6(117)/63-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. V. Rao, Transmission Executive, All India Radio, Jeypore as Programme Executive at the same station in a temporary capacity with effect from 2-2-1979 and until further orders.

No. 5(85)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. M. Sharma, Transmission Executive, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive, All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from 6th February, 1979 and until further orders.

The 23rd February 1979

No. 6(96)/63-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ram Swarup, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, New Delhi as Programme Executive in the same office in a temporary capacity with effect from 30th January, 1979 and until further orders.

No. 6(110)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. T. Mathew, Transmission Executive, All India Radio, Trivandrum as Programme Executive at the same station in a temporary capacity and on *ad hoc* basis February, 1979 and until further orders.

No. 5(111)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. C. Adhikari, Transmission Executive, All India Radio, Ratnagiri as Programme Executive at the same station in a temporary capacity and on *ad hoc* basis with effect from 1st February, 1979 and until further orders.

No. 5(118)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby declares Shri M. Vasudevan, Transmission Executive, All India Radio, Trichur as Programme Executive, at the same station in a temporary capacity w.e.f. 1st February, 1979 and until further orders,
14—506GI/78

No. 5(120)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. R. C. Patra, Transmission Executive, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive at the same station in a temporary capacity with effect from 31st January, 1979 and until further orders.

H. D. KHERA,
Dy. Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th February 1979

No. A.19019/3/77-CGHS-I.—On transfer from the CGHS Hyderabad, to the CGHS, Delhi Dr. (Mrs.) Padmini Das relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician, CGHS, Hyderabad, on the forenoon of the 10th January, 1979 and assumed charge of the same post at Delhi on the forenoon of the 12th January 1979.

N. S. BHATIA,
Dy. Director Admn. (CGHS-I).

New Delhi, the 16th February 1979

No. A.38012/1/79(HQ)Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Shri R. N. Sinha, Director of Admn. & Vigilance, Directorate General of Health Services on the 15th December, 1978.

The 23rd February 1979

No. A.-12025/8/78(AIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Debabrata Banerjee, Assistant Research Officer (Psychologist), All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, to the post of Assistant Professor of Psychology at the same Institute, with effect from the forenoon of the 25th September 1978 on temporary basis and until further orders.

No. A. 12026/31/78(RMLH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Lall, Medical Social Worker, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi to the post of Medico Social Service Officer in the same Hospital, with effect from the forenoon of the 16th January, 1979, on an *ad hoc* basis, and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Admn. (O&M)

CENTRAL GOVT. HEALTH SCHEME

New Delhi, the 19th February 1979

No. 7-119/78-CGHS.Estt.IV/273.—In pursuance of Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Ramesh Chand Sharma, Dressor, that his services shall stand terminated w.e.f. the date of expiry of a period of one month from the date on which this notification is published in the Gazette of India.

V. K. JOTWANI,
Deputy Director (CGHS) Delhi.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 19th February 1979

No. A-19023/54/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate, Shri G. S. Niranjane handed over charge of the post of Marketing Officer at Bombay in the afternoon of 20-1-1979.

The 23rd February 1979

No. A-19023/37/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group I)

in this Directorate, Shri M. B. K. Rao handed over charge of the post of Marketing Officer at Madras in the afternoon of 30-12-1978.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser,
to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 17th February 1979

No. DPS/21/1(3)/78-Est/5746.—Further to this Directorate Notification No. DPS/41(2)/77-Adm/26153 dated October 10/13, 1978, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Yeshawant Gokhale, a permanent Upper Division Clerk (Junior Storekeeper) as officiating Assistant Stores Officer in an *ad hoc* capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from November 30, 1978 (AN) to January 25, 1979 (FN) and in a regular capacity with effect from January 25, 1979 (FN) in the same Directorate until further orders.

No. DPS/21/1(3)/78-Est/5756.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Utlam Tabaji Satpute, a permanent Upper Division Clerk (Junior Storekeeper) and officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from forenoon of January 25, 1979 until further orders.

No. DPS/21/1(3)/78-Est/5766.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanuba Pandurang Doiphode an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from the forenoon of January 25, 1979 until further orders.

K. P. JOSEPH,
For Administrative Officer

Bombay-400 001, the 17th February 1979

No. DPS/41(2)/77-Adm./5734.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated October 13, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as Assistant Stores Officers on an *ad hoc* basis for a further period ending January 24, 1979 (AN).

1. Shri Mihir Chandra Roy.
2. Shri Muliappurath Raju.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 8th February 1979

No. NAPP/Adm/1(104)/79-S/1511.—Consequent on his transfer to Bhabha Atomic Research Centre, Bombay Shri K. R. C. Pillal officiating Assistant Personnel Officer in this Project relinquished charge of his post on the forenoon of January 31, 1979.

S. KRISHNAN,
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 14th February 1979

No. RSA/OU/10/79.—The Director is pleased to appoint Shri Ashutosh S. Trivedi as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of March 1, 1978 for a period upto August 31, 1979.

S. G. NAIR,
Head, Personnel & General Admn.

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 17th February 1979

No. VSSC/EST/NTF/79.—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space as Scientists/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the dates shown against each and until further orders :—

Sl No.	Name	Designation	Divn./ Proj.	Date of appointment
1	2	3	4	5
1.	Shri A. S. Sankaranarayanan	Scientist/Engineer SB	STR	30-9-78 (A N)
2	Shri R. Viswanathan Unnithan	Scientist/Engineer SB	FRP	1-4-78

RAJAN V. GEORGE
Admn. Officer-II (Est)
for Director VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st February 1979

No. A-12034/4/79-EA.—Shri A. C. Raizada, Asstt. Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi retired from Government service on the 31st January, 1979 A.N on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 23rd February 1979

No. A 32014/2/77-EC—Serial No. 3 and 4 of this Department Notification No. A 32014/2/77-EC dated 31-3-78 is amended to read as under :—

Sl No.	Name	Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of assumption of charge
1	2	3	4	5
3.	Shri Sat Paul Singha	Aero Comm. Station Palam	Aero Comm. Station Safdarjung, Airport, N. Delhi	18-2-78 (AN)
4.	Shri Shyam Lal	Aero Comm. Station Safdarjung Airport, N. Delhi	Aero Comm. Station Safdarjung Airport, N. Delhi	18-2-78 (AN)

No. A.38012/1/79-EC.—Shri G. S. Karnani, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on 31-1-79(AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 26th February 1979

No. A.35018/1/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Govt. Service of Shri J. B. R. P. Rao, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras with effect from the 31st January, 1979 AN.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th February 1979

No. 1/357/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Varadan, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad hoc basis, in Headquarters Office/Switching Complex, Bombay, for the following periods :—

FROM	TO
(1) 2-1-1978	18-2-1978
(2) 17-4-1978	17-6-1978

The 20th February 1979

No. 10/1/78-EST(8).—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. S. Kulkarni as Assistant Engineer in an officiating capacity in Arvi Branch with effect from forenoon of the 23rd September, 1978 and until further orders.

Shri Kulkarni was realised from Overseas Communications Service on the afternoon of the 30th December, 1978, on repatriation, of his own request, to his parent Department viz the Bangalore Telephones, Bangalore.

No. 1/473/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Anand Kumar as Assistant Engineer in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay, w.e.f. the forenoon of the 1st January, 1979, and until further orders.

No. 1/474/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. N. Manohar, as Assistant Engineer in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 26th December, 1978, and until further orders.

The 21st February 1979

No. 1/439/78-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 20-7-78 to 1-11-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy, on ad hoc basis.

The 22nd February 1979

No. 1/409/78-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Ramkrishna Rao, as Assistant Engineer, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 29th September, 1978, and until further orders.

No. 1/476/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Viswanath as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 1st January, 1979, and until further orders.

The 24th February 1979

No. 1/471/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Veluswamy as Assistant Engineer in a temporary capacity, in Switching

Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 28th October, 78, and until further orders.

No. 1/475/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Binod Kumar Mishra as Assistant Engineer in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, w.e.f. the forenoon of the 2nd January, 1979, and until further orders.

P. K. G. NAYAR
Director (ADMN)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 26th February 1979

No. II(7)2-ET/79/2199.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's order No. 141/78 dated 2-9-78 issued under F. No. A-22012/20/78-Ad.II, Shri K. K. Srivastava probationer appointed to the Indian Customs and Central Excise service Group 'A' on the basis of I.A.S. etc examination, 1975 has assumed charge as Superintendent, Group 'A' in Central Excise and Customs Collectorate, Patna on 13-11-78 (F.N.).

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

Madras, the 21st February 1979

No. 1.—Shri S. Nagarajan, Temporary Appraiser (now officiating as Asst. Collector) is confirmed as Appraiser with effect from 10-2-1972 against permanent vacancy available due to retirement of Shri R. Viswanathan.

No. 2.—Shri P. O. Thomas, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-10-1968 against temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. 2/44/68-Ad.IV dt. 20-4-69.

No. 3.—Shri Mir Inayathullah, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 11-10-1968 against permanent vacancy available due to confirmation of Shri M. C. Kothandaraman as Principal Appraiser.

No. 4.—Shri P. C. Nayak, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 21-2-1971 against permanent vacancy available due to the retirement of Shri E. S. Narayanan.

No. 5.—Shri D. Ramachandran, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 26-7-1970 against permanent vacancy available due to confirmation of Shri V. M. K. Nair, as Principal Appraiser.

No. 6.—Shri D. M. Paranjpe, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 26-7-1971 against permanent vacancy available due to retirement of Shri T. Rathnakar Rao.

No. 7.—Shri A. S. Sundararajan, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 28-11-1971 against temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 8.—Shri James Hobday, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 9.—Shri S. Gopalan, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 3-12-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 10.—Shri K. V. Kunhikrishnan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 11.—Shri P. V. Damodaran Nair, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 12.—Shri Ram Mohan Rao, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 13.—Shri C. N. Chandran, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.

No. 14.—Shri A. Vedakrishnan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 15.—Shri K. C. Menon, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 16.—Shri K. R. Das, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 17.—Shri R. Shankaran, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 30-8-1974 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 18.—Shri S. Subba Rao, officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 19.—Shri Madhasudhan Prasad, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 7-5-75 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/15/71-Ad.IV dt. 26-11-71.

No. 20.—Shri C. Padmanabhan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.

No. 21.—Shri K. K. Kapur, Temporary Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 23-8-1974 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.

No. 22.—Shri D. Kannan, Officiating Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 1-8-1971 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A. 11012/15/71-Ad.IV dated 26-11-71.

A. C. SAIDANHA
Collector of Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 20th February 1979

No. 1/79.—Shri D. L. Kholkute, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Bombay and on transfer to the West Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Bombay vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) Order No. 189/78 (F. No. A-22012/19/78-Ad.II) dated 24-11-1978, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' on the 1st January, 1979 (Forenoon).

2. Shri B. C. V. Narasa Raju, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B', Hyderabad Collectorate on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Hyderabad vide Directorate's Order F. No. 1041/17/78 dated 6-11-1978, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 20-11-1978 (Afternoon).

M. V. N. RAO
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 26th February 1979

No. 6(7)CRA/78.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Smt. G. Sarada Ramakrishna to Officiate as Asstt. Director, Seamen's Employment, Calcutta with effect from the forenoon of the 24th January, 1979 & until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL WORKS

New Delhi, the 22nd February 1979

No. 23/2/77-EC-II—The following officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31st December, 1978 (A.N.)

Name of Officer	Present Designation
1. Shri S.K. Luthi ..	Executive Engineer (Valuation), Unit No. VIII, Income Tax Department, (C. B. D. T.) Calcutta.
2. Shri B. K. Chawla ..	Executive Engineer (Elect.) Central Elect. Division No. V, CPWD New Delhi.

No. 23/2/77-EC II—The following Officers of Central Public Works Department have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st January 1979 (A.N.)

Name of Officer	Present Designation
1. Shri V. R. Vaish ..	Director General (Works), C.O. CPWD, New Delhi.
2. Shri T. P. Basu ..	Chief Engineer (Electricity), CPWD, New Delhi.
3. Shri C. Dass Gupta ..	Executive Engineer (Civil) (Vigilance Unit), C. O. CPWD, New Delhi.
4. Shri M. M. Roy Choudhury ..	Executive Engineer (Valuation) Unit No. VI Income Tax Department (CBDT), Calcutta.
5. Shri D. R. Khanna ..	Executive Engineer (Elect.) Central Elect. Store Division CPWD, New Delhi.
6. Shri D. C. Goel ..	Executive Engineer (Civil), Valuation Income Tax Department, Allahabad.
7. Shri B. R. Mahajan, ..	Executive Engineer (Valuation), Income Tax Deptt., New Delhi.

S. S. P. RAU
Dy. Director of Administration
(for Director General (Works))

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 17th February 1979

No. A-20013/2/78-Admn.'B'.—Shri B. P. Aggarwal, Superintendent (Legal) of the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Deptt. of Legal Affairs) who was concurrently holding the post of Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, has vacated the said post in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of the 5th February, 1979.

2. Shri Mahesh Prakash, Superintendent (Legal) is appointed concurrently as Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, Ministry of Works

and Housing with effect from the forenoon of the 5th February, 1979, until further orders.

P. S. AGGARWAL
Deputy Director of Estates (Office)

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 19th February 1979

No. P/G/14D.2/Conf/Pt.II.—Shri N. L. Roy, a Class II Officer of the Accounts Department of this Railway is confirmed as Assistant Accounts Officer (Class II) in that Department on this Railway with effect from 1st March, 1977.

J. S. D. DAVID
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS:

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Industrial Agents Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 418/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Industrial Agents Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Merry Land Financiers and Chit Fund Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 1852/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Merry Land Financiers and Chit Funds (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. West Coast Forest Trust Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 1271/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. West Coast Forest Trust Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Prestige Crown Cork Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2230/560/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Prestige Crown Cork Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. E. G. Paul Electronics Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2231/560/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. E. G. Paul Electronics Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hotel Sareesh Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2365/560/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hotel Sareesh Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sangham Agencies Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2495/560/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sangham Agencies Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Unique Tools Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2775/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Unique Tools Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mateon's Engineering Company Private Ltd.*

Bangalore, the 19th February 1979

No. 2933/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mateon's Engineering Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Canara Agro Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 24th February 1979

No. 3053/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Canara Agro Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Tiptur Mitra Trading Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 24th February 1979

No. 1945/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Tiptur Mitra Trading Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. D. B. M. Pulp Products Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2487/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. D. B. M. Pulp Products Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Padua Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2565/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Padua Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vinayaka Automobiles Private Ltd.*

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2672/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vinayaka Automobiles Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sathya Oil Extractors Private Ltd.*

Bangalore, the 24th February 1979

No. 2682/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sathya Oil Extractors Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Arunodhaya Chit Fund Private Ltd.*

Bangalore, the 26th February 1979

No. 1770/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Arunodhaya Chit Fund Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Indad Private Ltd.*

Bangalore, the 26th February 1979

No. 2211/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Indad Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. S. N. Hot Coil Springs Private Ltd.*

Bangalore, the 26th February 1979

No. 2666/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. S. N. Hot Coil Springs Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ultra Metal Industries Private Ltd.*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1763/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ultra Metal Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chamarajanagar Sugar Private Ltd.*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1596/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chamarajanagar Sugar Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Prema Kumari Chit Funds and Trading Company Private Ltd.*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 2328/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Prema Kumari Chit Funds and Trading Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bala Sahitya Mandala Private Ltd.*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1056/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Bala Sahitya Mandala Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sri Gayathri Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1647/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Gayathri Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pulikkal Trading and Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1962/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pulikkal Trading and Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Arul Chit Funds Private Ltd.,*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1993/560/78—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Arul Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Primex Motor Company Ltd.,*

Bangalore-9, the 26th February 1979

No. 1764/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Primex Motor Company Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Essential Coal and Mineral Co. (Pvt.) Limited*

Kanpur, the 19th February 1979

No. 1633/3209-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Essential Coal & Mineral Company (Private) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Hind Farms and Dairies Limited (In Lign.)*

Kanpur, the 21st February 1979

No. 1897/1590-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Hind Farms and Dairies Limited (In Lign) has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Uttera Khand Tourist Roadways Limited*

Kanpur, the 19th February 1979

No. 1635/2877-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Uttera Khand Tourist Roadways Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Beopar Sahayak Bank Limited (In Lign)*

Kanpur, the 21st February 1979

No. 1898/48-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Beopar Sahayak Bank Limited (In Lign) has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies,
U.P. Kanpur

*In the Matter of Companies Act 1 of 1956
And*

In the matter of Wire Machinery Manufacturing Corporation Limited

Calcutta, the 21st February 1979

No. 25538(Lign.) H.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 19th day of September 1977 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

R. K. BHATTACHARYA
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal, Calcutta

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.
United Packers Private Limited, Indore*

Gwalior, the 22nd February 1979

No. 1081/R/7713.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the United Packers Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Mundra
Sales Private Limited, Dewas*

Gwalior, the 22nd February 1979

No. 1082/R/7716.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mundra Sales Private Limited, Dewas, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Aswathi Hotels Private Limited*

Madras, the 23rd February 1979

No. DN/6021/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Aswathi Hotels Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

U. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pondicherry United Financial and Trading Corporation
Private Limited*

Pondicherry, the 26th February 1979

C. No. 42.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Pondicherry United Financial and Trading Corporation Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies,
Pondicherry.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 20th February 1979

CORRIGENDUM

Notice No. 243/78-79/Acq.—The notice u/s. 269(D) of the Income-tax Act, 1961 dated 17-1-1979 was published in Part III Section I of the Gazette of India at page No. 1174 (English). On page two of the notice name of the transferor may be read as "Shri Balanagouda Adopted S/o Shri Balanagouda Patil" instead of "Shri Balanagouda Adopted S/o Shri Basanagouda Patil".

P. RANGANATHAN
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-43/3895/78-79/6333.—Where-
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. XIV/10939-40, 10947-51 (New) situated at Mandir Marg,
Doriwalan, Shidipura, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi on 16-6-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sudershan Kumar, s/o Sh. Bihari Lal Sachdevi,
r/o 233, Gali Post Office, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur, w/o S. Raghubir Singh
r/o 101, Model Basti, New Delhi &
Smt. Gurcharan Kaur, w/o S. Joginder Singh,
r/o 10108, Rani Jhansi Road, Filmistan, Bara
Hindu Rao, Delhi.
(Transferee)

(3) 1. Shri Malak Chand Subhash Chander Property
No. 10951
2. Sh. Raghubir Singh Joginder Singh
Gujrat Tent House Property No. 10948.
3. " " " " 10950
4. " " " " 10939

List of Unauthorised Tenant

1. Sh. Ram Lubhaya Property No. 10939
2. Sh. Mohan Lal Property No. 10940
3. Smt. Diwan Devi Property No. 10947
4. Sh. Malik Singh Property No. 10949
5. Sh. Hari Singh Property No. 10940

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storyed property No. XIV/10939-10949, 10947-
10951 (New), measuring 222 sq. yds. situated at Mandir
Marg, Doriwalan, Shidipura, Delhi and bounded as under :—

East : Property No. XIV/10952
West : Property No. XIV/10941
North : Gali
South : Gali

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 28-2-1979
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Nathuram Narain Pvt. Ltd.
Rustam Building, Church Gate, Fort, Bombay,
through Sh. Madan Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sunil Kumar Jain, s/o Sh. Madan Lal Jain,
c/o 3073, Partap Street, Near Golcha Cinema,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.Ref. No. IAC/Acq. II/June-28/3887/78-79/6333.—Where-
as I, R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. 526 situated at Katra Ashrafi, Chandni Chowk,
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on June, 1978for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such trans-
fer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Ground floor of Shop No. 526, Jilaga No. 5, measuring 33
sq. yds. situated at Katra Nagpur, Katra Ashrafi, Chandni
Chowk, Delhi and bounded as under:—

East : Wall & Property No. 529/12 & 527/23

West : Wall Shop No. 526

North : 1/2 of Shop No. 526

South : Passage

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

15—506G1/78

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwan Devi, wd/o Sh. Govind Lal
r/o B-6/114, Tibbia College, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Inderjit Verma, s/o Sh. Chandu Lal Verma
& Sh. A. K. Berma, s/o Sh. Inderjit Verma,
r/o 16B/22, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-31/3890/78-79 6333.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. G-36 situated at Old Market, West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Govt. built Shop No. G-36, measuring 69.87 sq. yds. situated at old Market, West Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : Shop No. 36-F

West : Open

North : Lane

South : Open Chowk.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dr. K. K. Nanda,
r/o F-9, Sector-14, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri R. L. Chopra & Smt. Usha Chopra,
r/o D-17, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-62/3907/78-79/6333.—Where-
as I, R. B. L. AGGARWAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. J-12/15 situated at Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Delhi on June, 1978for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 15 Block No. J-12, situated at Rajouri
Garden, New Delhi and measuring 485 sq. yds.R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/500/Junc-I(24)/78-79/6343.
—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-399 situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-6-78

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Satinder Singh S/o S. Iqbal Singh, C-212, Greater Kailash-I, New Delhi through his G.A. Sh. Inderjit Singh Khurana S/o S. Mohan Singh Khurana, C-211, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

- (2) Sh. Gurbux Gobind Ram Rariwalla S/o Sh. Gobind Ram Mariwala, A-339, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease hold plot of land measuring 217 sq. yard including 2½ storeyed building constructed on it, and bearing No. A-399, Defence Colony, New Delhi and bounded as under :

East : Road,
West : S. Lane
North : House No. A-400
South : A-398

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Santosh Kumari Jain W/o Shri Gian Chand Jain, B-3, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Mohini Devi w/o Shri Babu Lal Gupta,
WZ-241, B, Inder Puri,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/510/Junc-II(3)/1978-79-6343.
—Whereas, I, MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearingNo. Agricultural land situated at Village Samlaka (New Delhi)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 17-6-1978,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned---(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Agricultural land, Killa No. 9, detailed as under :—
Khasra No.

13	4—16
14	4—16
17/1	3—4
18/1	3—8

 16.4

Situated at Village Samlaka, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—MISS ANJANI OZA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/June-II(10)/78-79/515.6343
—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-70 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Brig. Nirmal Kumar Mitra (Retd) S/o
Sh. Upendra Kumar Mitra, 20,
Apartment Royal Hostel, Meerut, Cantt.
(Transferor)
- (2) Shri Raj Pal Malhotra S/o Gyan Chand Malhotra
D-70, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 1½ storeyed pacca residential building and the land on a lease hold plot bearing No. D-70 measuring 342 sq. yards situated at Defence Colony, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane
South : Ring Road
East : D-69 Defence Colony
West : The side road facing nalaha.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I.
Delhi/New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Paul S/o Shri Gian Chand
D-70, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/SR-III/508/Junc. 46/1978-79/6343.
—Whereas, I, MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

L-36, situated at Kalkaji (New Delhi)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 15-6-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(2) Shri Jasbir Singh Dham S/o Shri Jiwan Singh Dham,
16/2, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immove-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. L-36 measuring 380 sq. yards
situated at Kalkaji, New Delhi and bounded as under :

North : Plot No. L-37
South : Lane
East : Lane
West : Road.

MISS ANJANI OZA.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I

New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/517/Junc-II(16)/78-79.—
Whereas I, MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Shop No. 41 situated at Masjid Road, Jangpura Ext.,
New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 21-6-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Rattan Lal son of Shri Kanshi Ram,
Resident of 340 J. J. Colony, Hastel, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Piara Lal and Shri Harish Chander
Bedi sons of Maharaj Kishen Bedi,
Residents of 2/15 Double Storey, Jangpura Ext.,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 41 measuring 351 Sq. ft. charged 50 : 50 to
ground floor and first floor situated at Masjid Road, Jangpura
Ext., New Delhi.

MISS ANJANI OZA.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I

New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE 1

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/513/June-II(6)/1978-79.—
Whereas I, MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Agricultural lands situated at Village Jonapur (New
and bearing(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 17-6-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
-
- any moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
16—506GI/78(1) Shri Gopi Chand son of Nandu and Yadu son of
Shri Jawahr : Resident of Jonapur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sardarni Nirlep Kaur wife of Shri Rajdev Singh
Resident of Gobind Sadan, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 18 Bighas and 13 Biswas
detailed as under :M. No. 11, Killa No. 20/3 (1—4)
21/1 (1—4)
M. No. 12 Killa No. 16/2 (2—16)
17 (4—10)
24 (4—3)
25 (4—16)

situated at Village Jonapur, New Delhi

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1,
New DelhiDate : 28-2-1979
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/493/June-1(11)/1978-79/6343.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural lands situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Shiv Lal son of Shri Chanan Ram, Resident of M-7, Malviya Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar, Shri Surinder Kumar and Shri Narinder Kumar sons of Shri Om Parkash Residents of 1552 Kotlamubarakpur, New Delhi,
(Transferee)
- (3) Shri Jagdish Rai son of Shri Prabha Ram known as Labharam, Shrimati Satya Devi wife of Shri Jagdish Rai and Shri Om Parkash son of Shri Wali Ram Resident of 1553 Kotlamubarakpur, New Delhi.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 15 Bighas and 1 Biswa detailed as under :—

Khasra Number	Area
752	4—16
753	3—6
754	6—19
	<hr/>
	15—1

situated at village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I,
New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 28th February 1979

Ref. No. IAC Acq. I/S.R. III/June/512/1978-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural lands situated at Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Ahilya Bai Vohra wife of Mr. B. J. Vohra Resident of 4-Birkdale Drive St. Catharines Ontario Canada, through her General Attorney Rai Sahib Devi Dayal Verma, Resident of 8 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Narinder Singh, and Varinder Singh House No. 1096 Gali No. 10 Gobindpuri, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 14 Bighas and 19 Biswas, detail as under.

Khasra Nos.	430	(0—4)
	431	(0—4)
	432	(4—16)
	433	(4—16)
	434	(4—16)
	437	(0—3)

situated at village Gadaipur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/117.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land Khasra No. 502 situated at Min, Sultanwind Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in Sep. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Kalyan Singh s/o Shri Dayal Singh,
H. No. 1482/13, Chowk Lachmansar, Amritsar.
(Transferor)

(2) Narinder Singh s/o
Shri Natha Singh,
House No. 3806, Kot Baba Deep Singh
Bazar No. 2, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and Tenant(s) if
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1212 sq. qds. vide Khasra No. 502 Min at sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2275 dated 19-9-1978 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-2-1979
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 16th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/119.—Whereas, I,
G. L. GAROO, IRS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.House property situated at Circular Rd, near R. R. Baba
Girls College, BTL
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Batala on June. 78consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(Transferor)

- (1) Shri Pardip Singh s/o Kuldip Singh resident of
Batala Distt. Gurdaspur

(Transferee)

- (2) Mehar Chand son of Shri Bishan Dass, Village
Bahadurpur Rajea near Harchowal Hehsil Batala
Distt. Gurdaspur.

As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

Any person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Building situated on circular road near
R. R. Baba Girls College, Batala as mentioned in the Regis-
tered Deed No. 2291 dated 15-6-78 of Registering Authority
Batala Distt. Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Date : 16-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 16th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/120.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Three shops bearing No. 267, 268 & 269 at co-oper road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar city on June, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(Transferor)
(1) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Janaki Dass Mehra resident Bombay through Smt. Raj Kumari resident of Co-oper Road, Amritsar.

(Transferee)
(2) Smt. Vyas Devi d/o Sh. Tirlochan Ram w/o Shri Ram Ditta c/o Ram Ditta Bombay Chat, Co-oper Road, Amritsar.

Sh. Kamaljit Singh Sarabjit Singh s/o Sh. Harbaha Jan Singh, Regent Photograph Coper Road, Amritsar.
Smt. Veena Kumari d/o Capt. Hari Singh w/o Sh. Sukhdev c/o Brightway Dry Cleaner Co-oper Road, Amritsar.

As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any
(4) Any person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of three shops bearing No. 267, 268, 169 at Co-oper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 831 dated 2-6-78 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Date : 16-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/118.—Whereas, I,

G. L. GAROO, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 89 situated at Abadi Sant Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City on June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harpal Singh s/o Shri Santa Singh Plot No. 84, Abadi Sant Nagar, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Nirmal Singh s/o Shri Santa Singh, Plot No. 89, Abadi Sant Nagar Amritsar.

(Transferee)

As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed Building situated in Sant Nagar Near Bhagtanwala Gate, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1120 dated 27-6-1978 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 16-2-1979

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st February 1979

Ref. No. ASR/78-79/124.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land in village situated at Jansa Chhitra, Teh. Gurdaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurdaspur on June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur d/o Shri Rur Singh resident of Jaura Chhitran Teh. Gurdaspur Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Bakhshish Singh s/o Sh. Chattar Singh village, Jaura Chhitran Teh. Gurdaspur Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

As at Sl. No. 1 above mentioned and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 Kanals 12 Marlas situated in village Jaura Chhitran Teh. Gurdaspur, Distt. Gurdaspur in mentioned in the Registered deed No. 2005 dated 14-6-1978 of Registering Authority Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 21-2-1979
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Harjit Singh & Sh. Ajmer Singh sons of Shri Chanan r/o Village Nandpur, Teh. Ludhiana.
(Transferor)

(2) M's Sagar Eng. Works, Unit No. 2 Plot No. 419, Industrial Area A, Ludhiana through Shri Kirpal Singh s/o Shri Attna Singh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

No. Ref. No. LDH/R/67/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Kanals situated at Village Nandpur Tehsil Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
17—506GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanals situated at Village Nandpur Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3017 of July, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/R/75/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 16 kanal 19 marlas situated at Village Hiran, Tehsil & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Nath s/o Shri Bodhi Ram s/o Sh. Gajju Mal, r/o Village Hiran, Teh. Ludhiana,
(Transferor)

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o Sh. Vidya Sagar Oswal, r/o 396/1 B-XIX, Ghumar Mandi, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals 19 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3266 of July, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harjit Singh & Sh. Ajmer Singh s/o of Shri Chanan r/o Village Nandpur, Teh. Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sagar Engg. Works, Unit No. 2 Plot No. 419, Industrial Area A, Ludhiana Through Shri Kirpal Singh s/o Attma Singh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/R/91/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 kanals situated at Village Nandpur Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated at village Nandpur Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5120-A, of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/38/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of Property No. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Abchal Singh s/o Shri Raghbir Singh, r/o B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana. (Transferor)

(2) Shri Suresh Jhaver s/o Sh. Siri Niwas, r/o Jhaver X-Ray, Clinic, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No.B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 846 of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Abchal Singh s/o Dr. Raghubir Singh, r/o. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Smt. Usha Jhaver w/o Sr. Suresh Jhaver, c/o Jhaver X-Ray Clinic, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/44/78-79.—Whereas, I,
NATHU RAM,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Property No. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1978.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Portion of Property No. B-XIX-909, Tagore Nagar, Rajpura Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1114 of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. LDH/46/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 31 kanals 7 marlas situated in Village Mangat, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harnam Kaur wd/o Sh. Kartar Singh, r/o Village Mangat Tehsil Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Gian Singh s/o Sh. Banta Singh, r/o Moranwali Tehsil Garh Shankar, Distt. Hoshiarpur Village Mangat, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 7 marlas situated in Village Mangat, Tehsil, Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1150, of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. PTA/51/78-79.—Whereas, I,

NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 32 kanals situated at Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under in the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh, r/o Lal Bagh Kothi, Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jagjit Singh & Inderjit, Singh, ss/o Capt. Bhajan Singh r/o 23-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 kanals situated in Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1575 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. KNN/35/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Cinema Building with land measuring 3 kanals 3 marlas situated at Village Bhatian, near Khanna, Distt. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khanna in June, 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lachhman Dass alias Lachhoo Ram s/o Chaudhry Rama Mal, r/o Khanna, Distt. Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s. Natraj Enterprises, G.T. Road, Khanna, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Bldg. with land measuring 3 kanals 3 marlas situated at Village Bhatian, Near Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 860 of June, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. KNN/36/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Cinema Building with measuring land 2 kanals 17 marlas situated at Village Bhatian, Near Khanna, Distt. Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—506GI/78

(1) Smt. Devka Rani w/o Sh. Narain Dass, r/o Khanna Kalan Distt Ludhiana.

(Transferee)

(2) M/s Natraj Enterprises, G. 1. Road, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Bldg. with land measuring 2 kanals 17 marlas situated at village Bhatia, Near Distt, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 861 of June, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Ludhiana.

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. KNN/37/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Cinema Building with Land measuring 2 kanals 18 marlas, situated at Village Bhatian, near Khanna, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

(1) Shri Nagain Dass s/o Shri Lachhman Dass alias Tachhoo,
r/o Khanna, Distt. Ludhiana

(Transferor)

(2) M/s Natraj Enterprises,
G.T. Road,
Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Building with Land measuring 2 kanals 18 marlas situated at Village Bhatian, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 862 of June, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. AMI/78-78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1 bigha 10 biswa, situated at Village Nasrali, Teh. Amloh near Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Munshi Ram s/o Sh. Bhajan Lal, S/Shri Sadhu Ram and Bidhi Chand, sons of Sh. Pannalal, r/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) M/s Indian Mechanical Works, Mandi Gobindgarh, through Shri Narinder Kumar, partner. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 10 biswas, situated at Village Nasrali, near Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 869 of July, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. AML/86/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop, situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Vinod Kumar,
Virender Kumar,
Rajinder Kumar,
Devinder Kumar,
Ashok Kumar, and
Satish Kumar,
sons of Shri Sohan Lal,
r/o Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh,
Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) M/s Kelly Steel Corporation,
Loha Bazar, Mandi Gobindgarh,
Distt. Patiala,
through Sh. Kehar Singh, s/o
Sh. Achhr Singh, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 967 of August, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979

Seal :

CHANDIGARH, 20th February, 1979

Ref. No. CHD/159/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 44, Sector 21-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 44, Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 232 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. CHD/160/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 406, Sector 37-A measuring 528.12 Sq yards, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Neelam Bhasin d/o
Sh. Rajinder Kumar Bhasin,
r/o 126, Sector 16-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Karam Singh, s/o Brijinder Singh,
r/o H. No. 606, Sector 10-D,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 406, Sector 37-A, situated at Chandigarh measuring 528.13 Sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No 234/1 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. PTA/49/78-79.—Whereas J. NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 30 kanals 18 marlas, situated at Village Ghalori, Hch. & Distr. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dalip Kaur wd/o
H. H. Maharaja Bhupinder Singh,
c/o Kothi Lal Bagh,
Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Gurdev Singh Grewal & Company,
Patiala, through Sh. Gurdev Singh Grewal,
23-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals 18 marlas, situated at Village Ghalori Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No 1521 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1979

Ref. No. PTA/61/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 30 kanals wrongly stated as 329 kanals 18 marlas), situated at Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Waryam Singh s/o Sh. Suchet Singh & Shri Joginder Singh s/o Shri Suchet Singh, Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Harkran Kaur d/o Shri Mehar Singh, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever even period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals (wrongly stated as 329 Kanals 18 marlas), situated in Village Ghalori, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1747 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. BWN/42/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Land measuring 107 kanals 10 marlas, situated at Bhawanigarh Thula Palad, Distt. Sangrur (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawanigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—506/GI/78

(1) S/Shri Gurdial Singh, s/o Mastan Singh, Gurdial Singh s/o Bishan Singh, Bant Singh s/o Bhagwan Singh, Jagar Singh s/o Hardam Singh, Pritam Singh s/o Ghula Singh, Chhota Singh s/o Gobind Singh, r/o Bhawanigarh, P.O. Bhawanigarh, Distt. Sangrur.

(Transferors)

(2) S/Shri Bharpur Singh, Balwant Singh, ss/o Kaka Singh, Village Kandhargarh Chhana, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 107 kanals 10 marlas, situated at Village Bhawanigarh Thula Palad, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 725 of June 1978 of the Registering Officer, Bhawanigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,CENTRAL REVENUE BUILDING,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. BWN/43/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 108 kanals 16 marlas, situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawanigarh in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Nihal Singh s/o Waryam Singh, Gurmukh Singh s/o Waryam Singh, Jangir Singh s/o Bishan Singh, Ajmer Singh s/o Kishan Singh, Bhan Singh s/o Dhokal Singh, Mera Singh Jur. Advocate, s/o Budh Singh, c/o Bhawanigarh, P.O. Bhawanigarh, Distt. Sangrur. (Transferors)

(2) S/Shri Surjeet Singh, Mohinder Singh, s/o Kaka Singh, Khandhargarh Chhiana, Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 108 kanals 16 marlas, situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 726 of June, 1978 of the Registering Officer, Bhawanigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. BWN/44/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 109 kanals 18 marlas situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhawanigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Pritam Singh s/o Kahlu Singh,
Harikishan Singh s/o Nand Singh,
Kaku Singh s/o Hamir Singh,
Uttam Singh s/o Basant Singh,
Naurang Singh s/o Rai Singh,
Jorinder Singh s/o Jangir Singh
r/o Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur.
(Transferor)

(2) Smt. Surjeet Kaur w/o Balwant Singh,
Gurdial Kaur w/o Mohinder Singh,
Ranjeet Kaur w/o Bharpur Singh,
Jasmer Kaur w/o Surjeet Singh,
r/o Kandhargarh Chhona,
F.O. Chhintanwala, Teh. Malerkotla,
Distt. Sangrur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 109 kanals 18 marlas, situated at Bhawanigarh, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 727 of June 1978 of the Registering Officer, Bhawanigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gurdip Kaur w/o Shri Jagtar Singh,
r/o 78, Rakh Bagh, Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Dr. (Mrs) Pushpinder Kaur w/o Dr. Iqbal Singh,
74, Club Road, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. LDH/43/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property bearing Municipal No. B-XIII/406A, situated at Rakh Bagh, Ludhiana (Plot No. 78 Rakh Bagh) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 78, Bakh Bagh, bearing Municipal No. B-XIII/406A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 946 of June, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. LDH/109/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3-A measuring 558.66 sq. yds situated at Industrial Area 'A' Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charanji Lal s/o Sh. Ralla Ram, s/o Sh. Sawan Mal, r/o 1134-Dhuri Line, Azad Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Mail Kaur wd/o S. Gurbachan Singh s/o S. Hira Singh, r/o 223, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3-A, measuring 558.66 sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2548 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref No. LDH/R/71/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2-D, measuring 367 Sq. yds. ($\frac{1}{2}$ portion of 734 Sq. yds), situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Sucha Singh s/o Dasandha Singh & Sh. Dhanna Singh s/o Bhan Singh, r/o 456-I, Model Town, Ludhiana, through Attorney Shri Bawa Singh s/o Sh. Kirpal Singh, Chowk Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Romesh Chand, Subash Chander, ss/o Parkash Chand, 79-Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-D measuring 367 sq. yds. ($\frac{1}{2}$ portion of 734 Sq. yds.) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana).

(The property as mentioned in the registered deed No. 3091 of July, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. LDH/R/65-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2-D, measuring 367 Sq. yds.

situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Sucha Singh s/o Dasondha Singh & Dhanna Singh s/o Bhan Singh, 436-L, Model Town, Ludhiana. Through Shri Bawa Singh s/o Kirpal Singh of Bharat Nagar Chowk, (Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Romesh Chand, Subash Chander, ss/o Parkash Chand, 79-Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-D, measuring 367 sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property mentioned in the Registered deed No. 2848 of June, 1978 of the Registering Officer. Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/64/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 8 bighas and 8 biswas situated at village Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh s/o Bhagat Singh,
r/o Vill. Alipur Arayian,
Teh & Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) 1. S/Shri Manjit Kaur, w/o Ajit Singh,
r/o V. Alipur Arayian Teh. Patiala.
2. Parbhjot Singh } s/o Inder Singh
3. Gurjot Singh. } 7, Dashmesh Nagar, Patiala.
4. Gurtej Singh. s/o Ajit Singh
r/o V. Alipur Arayian, Teh & Distt. Patiala.
5. Baljinder Kaur w/o Sh. Pushpinder Singh,
r/o 7, Dashmesh Nagar, Patiala.
6. Printender Singh s/o Maj Teja Singh, r/o 7,
Dashmesh Nagar, Patiala.
7. Sh. Amarjot Singh s/o Bakshshish Singh,
r/o Kaull.
8. Smt. Parmjit Kaur w/o S. Gurbachan Singh,
10/9A, Chandigarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 8 biswas situated in V. Alipur Arayian, Teh & Distt. Patiala.

The property as fully described in Registered deed No. 1790 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala.).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/65/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 7 Bigha 7 Biswa situated at Village Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—506GI/78

- (1) Shri Darshan Singh s/o Sh. Bhagat Singh, s/o Sh. Bhola Singh, r/o Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.
(Transferors)

- (2) 1. (S/Shri Gulzar Singh, 2. Dildar Singh, s/o Sh. Pritam Singh,
3. Pritam Singh s/o Isher Singh,
4. Surinder Kaur Grewal w/o Ajit Pal Singh,
5. Ranvijay Singh s/o Ajit Pal Singh,
6. Tej Pal Kaur w/o Varinder Pal Singh, residents of Patiala,
7. Gurdip Singh Dhillon s/o Hazara Singh Dhillon,
8. Mandip Singh s/o Gurdip Singh Dhillon,
9. Hardip Kaur d/o Gurdip Singh Dhillon, residents of Patiala,
10. Surinder Partap Singh s/o Darshan Singh,
11. Rajinder Partap Singh s/o Darshan Singh, residents of Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bigha, 7 bisha, situated in village Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

(The property mentioned in the Registered deed No. 1792 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/38/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6 bighas 5 biswas situated at Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

(1) Shri Shanker Singh s/o Sh. Sher Singh
r/o Alipur Arayian,
Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Barkha Ram Jagan Nath,
Commission Agents, Anaj Mandi,
Nabha Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 5 biswas, situated in Vill. Alipur Arayian, Teh. & Distt. Patiala.

The property as mentioned in the registered deed No. 1074 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. PTA/62/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land measuring 8 bighas, situated at Vill. Alipur Arayan, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daushan Singh s/o Shri Bhagat Singh,
r/o V. Alipur Arayan,
Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Malwinder Singh Family Trust,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas, situated in Vill. Alipur Arayan, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as fully described in registered deed No. 1762 of June, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. SRD/145/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 62 Kanal 11 marlas, situated at village Hassanpur (Chhalehi Khurd), Tehsil Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1978

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nirber Singh s/o Sh. Booda Singh of Village Hassanpur (Chhalehi Khurd), Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferee)

(2) Shri Sampuran Singh s/o Shri Piara Singh, S/Shri Manjit Singh, Kuldeep Singh, Hardip Singh, sons of Sh. Sawaran Singh, r/o Hassanpur (Chhalehi Khurd), Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 kanals 11 marlas, situated at Village Hassanpur, Tehsil Sirhind.

(The property mentioned in the registered deed No. 1331 No. 1331 of June, 1978 of Registering Officer, Sirhind.)

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. CHD. 170/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

SCF No. 30, Sector 22-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jangi Lal s/o Shri Kanshi Ram,
r/o House No. 1181, Sector 21-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Jai Kumar Jain s/o Shri S. K. Jain,
Advocate,
(ii) Mrs. Neelam Jain w/o Rakesh Jain.
(iii) Sh. Sushil Kumar Jain s/o Late Gian Chand &
(iv) Sh. Shadi Lal Jain s/o
Late Sh. Dina Nath Jain,
c/o Jain Jewellers, SCF No. 7, Sector 22-D,
Chandigarh.

(Transferees)

(3) M/s Prem Tailors,
SCF No. 30, Sector 22-D,
Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 30, Sector 22-D, Chandigarh constructed on a plot measuring 94 Sq. yds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 315 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. CHD/163/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 39 kanals 8 marlas, situated at Village Darya, U.T., Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in June, 1978 () for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Labh Kaur w/o Shri Pakhar Singh, r/o Village Kurli, Tehsil Rajpura, Distt Patiala, through Sh. Pakhar Singh, s/o Shri Kishan Singh, General Attorney, r/o Kurli, Teh. Rajpura, Distt. Patiala. (Transferors)
- (2) Shri Mohinder Pal s/o Shri Brij Mohan Pal, r/o H. No. 252, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 kanals 8 marlas, situated in Village Darya, U.T., Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 260 of June, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. SMR/49/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 145 Kanals 13 Marlas situated at Village Kiri Afghan, Teh. Samrala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- 1) Mohinder Singh, Joginder Singh, Naranjan Singh, s/o Mikha Singh, Village Kiri Afghana, Teh. Samrala.

(Transferors)

- (2) Shri Des Raj s/o Mohan Lal, s/o Jagan Nath, Village Ajnali, P.O. Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 145 Kanals 13 marlas, situated at village Kiri Afghana, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1278 of June, 1978 of the Registering Officer, Samrala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 21-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

S:Shri

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st February 1979

Ref. No. SMR/73/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 90 kanals 18 marlas, situated at Village Kiri Afghana, Teh. Samrala Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gurdid Singh, Gurpal Singh, Satnam Singh, ss/o Bahadur Singh s/o Isher Singh, r/o Kiri Afghana, Teh. Samrala.

(Transferors)

(2) Sh. Sohan Lal s/o Ramji Dass, c/o M/s. Rakesh Kumar Rajesh Kumar, Cloth Merchants, Subash Bazar, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 90 Kanals 18 marlas, situated at village Kiri Afghana, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2342 of June, 1978 of the Registering Officer, Samrala.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gudibandi Vemareddy, S/o Nagireddy
Kollipara, Tenali Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Bheemavarapu Rajeswari,
W/o Sanjeevareddy,
Kollipara, Tenali Tq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 18th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.Rel. No. Acq. File No. 835.—Whereas I, N. K. NAGA-
RAJAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. RS No. 244, situated at Chagantipadu

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vuyyuru on 24-6-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered document
No. 1019/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur
during the fortnight ended on 30-6-1978.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
21—506GI/78N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KakinadaDate : 18-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gudibandi Vemareddy,
s/o Nagireddy,
Kollipara, Tenali Tq.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 836.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 244, situated at Chagantipada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Vuyyur on 16-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Bhcemavarapu Sanjeevareddy,
s/o Gopireddy,
Kollipara, Tenali Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The The schedule property as per Registered Document No. 979/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur during the fortnight ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
KAKINADA

ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 837.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 790/1&2, situated at Katuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vuyyuru on 2-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Parvathaneni Vajramma,
W/o Venkatachalapathi Rao,
Patameta, Vijayawada-6.

(Transferor)

- (2) Shri Ghanta Koteswara Rao,
S/o Venkaiah,
Krishna Lanka, Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per Registered document No. 854/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyur during the fortnight ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 18-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 18th November 1978

Ref. No. Acq. File No. 838. —Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 790/1, 3 & 4, situated at Katun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vuyyuru on 2-6-1978 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Veeramachaneni Chandrasekhara rao,
2. Smt. V. Koteswaramma,
3. Sri V. Bhavanisankar,
4. V. Atchutarao, Minor/Guardian father,
V. Chandrasekhara Rao,
SBH Colony No. 15, Vijayawada-8,
5. Sri V. Basavaiah,
6. Smt. Parvathaneni Vajramma,
7. Sri V. Jaya Prakash,
8. Sri V. Laxmi Prasad,
M/G father, Sri V. Basavaiah,
Patamatalanka, Vijayawada-6.

(Transferors)

- (2) Sri Ghana Koteswara Rao,
S/o Venkaiah Krishnalanka,
Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 853/78 registered before the Sub Registrar, Vuyyuru during the fortnight ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

(Kakinada, the 7th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 849.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-41-5, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Gondesri Laxmikantamma, w/o Satyanarayana, Kandulavari Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shri Dogiparthi Sankararao, Pr. in M/s. Star Medical Stores, Park Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) 1. Muktha Agencies,
2. Sri Mohanlal,
Vijayawada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered document No. 2737/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-12-1978
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 851.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 205/1, situated at Kanuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kancherla Rajyalaxmi, w/o
Ramamohan Rao,
Krishna Nagar, Labbipeta,
Vijayawada-10.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. Dhaneekula Veeraraghavaiah,
2. D. Ravendranath Tagore,
3. D. Ramarao,
4. D. Nagendra Babu,
c/o Sri Kanakadurga Rice Mill,
Labbipeta,
Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2714/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,**

KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 852.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 205/1, situated at Kanuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Vijayawada on 14-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kancherla Ramamohan Rao,
s/o Ramakotaiah,
Krishna Nagar, Labbipeta,
Vijayawada-10,

(Transferor)

S/shri
(2) 1. Dhanckula Veeraraghavaiah,
2. D. Ravendranath Tagore,
3. D. Ramarao,
4. D. Nagendra Babu,
c/o Sri Kanakadurga Rice Mill,
Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 2713/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 12-12-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 853.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 205/1, situated at Kanuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vijayawada on 14-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Katragadda Balakrishna,
s/o Venkateswara Rao,
Yanamalakuduru Vijayawada Tq. (Transferor)

S/Shri
(2) 1. Dhanekula Veeraraghaviah,
2. D. Ravendranath Tagore,
3. D. Ramarao,
4. D. Nagendra Babu,
c/o Sri Kanakadurga Rice Mill,
Tabbipeta, Vijayawada-10. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2712/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNSNOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 12th December 1978

Re. No. Acq. File No. 850.—Whereas I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 205/1, situated at Kanuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 14-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Kancherla Rajyalaxmi,
w/o Ramamohan Rao,
Krishna Nagar,
Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferor)

S. Shri
(2) 1. Dhankula Veerabaghaviah,
2. D. Ravendranath Tagore,
3. D. Ramarao,
4. D. Nagendra Babu,
c/o Sri Kanakadurga Rice Mill,
Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2754/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 854.—Whereas J. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 28/3, 27/2 & 24/10, situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Syed Galib, s/o
Syed Imam Sahab,
Telaprolu, Kanchalapalem (P.O.),
Kattevarani Sivanu, Tenali Tq.

(Transferor)

(2) Shri Annabathuni Satyanarayana,
s/o Sivaiah,
Ithanagar, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1610/78 registered before the Sub-Registrar, Tenali, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 855.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 28/3, 27/2, & 24/10, situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Tenali on 16-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Karim Shahid, s/o Syed Imam Sahab, Telaprolu, Kancherlapalem (P.O.), Kattevaram Sivaru, Tenali Tq. (Transferor)
- (2) Shri Annabathuni Satyanarayana, s/o Sivaiah, Ithanagar, Tenali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1611/78 registered before the Sub-Registrar, Tehsil, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File No. 856.—Whereas 1. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 28/3, 27/2 & 24/10, situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tenali on 16-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Syed Hussain, s/o
Syed Imam Saheb,
Telaprolu, Koncherlapalem (P.O.),
Kattevaram Sivaru, Tenali Tq.

(Transferor)

(2) Shri Annabathuni Satyanarayana,
s/o Sivaiah,
Ithanagar, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1612/78 registered before the Sub-Registrar, Tenali, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Acq. File Ref. No. 7.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-23-43 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 26-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Shrimati Cherukuri Bujamma, W/o, Tarakaramargo C/o. Sri Y. V. Koteswara Rao, Signal Inspector, Railway Quarters; B. No. 67E, Purna Junction, Patnabhi Dist., Maharashtra. (Transferor)
- (2) Sri Taduvai Yugananda Rao (2) Smt. T. Savitri, C/o. Mallikarjuna Cut Pieces Cloth Stores, Gudivadavari St., Vijayawada-1. (Transferee)
- (3) Andhra Fisherman Central Co-operative Society Ltd., (B.O.) Sivarao St., Vijayawada, [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2921-78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Acq. File Ref. No. 858.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 52/1, 2 & 3 situated at Seetharampuram Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vishakhapatnam on 22-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Makena Narsimha Patrudu,
- (2) M. Chennayya Patrudu,
- (3) Narasimhacharya Patrudu,

Andhra University, Quarters, Vizag.

(Transferor)

- (2) Shri Battepati Vijaya Vardhana (2) B. Vishnu Vardhana, M/G. Mother Smt. B. Seethammamma Dabalu Village, Kothavalasa, Srungavarapukota Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3817/78 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 859.—Whereas I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 23/2&1, 27/1, 26/5 & 28/7, situated at Chikinala, Near Manikonda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kankipadu on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri Gadde Jayaramarao,
2. G. Brahmanandartao,
3. G. Sambasivarao,
4. G. Sreenivasa Rao,
Chikinala Village, near Manikonda,
Gannavaram Tq.
5. G. Venkata Krishna Rao, s/o
Sudarsana Rao,
Veerankilaku, Gannavaram Tq.

(Transferors)

- (2) Smt. Cherukuri Bujjamma, w/o
Late Taraka Ramarao,
Kodur, Gudivada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 753/78 registered before the Sub-Registrar, Kankipadu, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 860.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No. 27/1 & 23/4 situated at Chikinala Village (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kankipadu on 26-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

(1) Shri Gadde Venkatakrishna Rao (2) Shri G. Venkata Punnamamba (3) Shri G. Sudarsana Rao M/G. Father Sri G. Venkatakrishna Rao, Vcerankilaku, Gannavaram Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Cherukuri Bujamma, W/o. Late Tarak Ramarao, Kodur, Gudivada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 752/78 registered before the Sub-Registrar, Kankipadu, during the F.N. ended on 30-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chattamanchi Vijaya Reddi (2) Ch. Vijay Kumar Reddi, No. 32, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore-560 046.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pulipati Venkateswara Rao s/o. Shri Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. File 861.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-10-39, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2699/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

23—506GI/78

Date : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Ref. No. Acq. File 862.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-10-39 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Sri rangapalli Renuka Reddi W/o. Satyakumar Reddy (Now in Texas), GPA Holder Smt. C Sharada Devi. 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

(2) Shri Pulipati Venkateswara Rao, S/o. Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2698 78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th December 1978

Acq. File Ref. No. 863.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-10-39 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Meera Guruswami W/o Mohan Guru Swamy, 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

- (2) Shri Pulipati Venkateswara Rao, S/o. Satyanarayana, Pingaluswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2697/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-12-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 13th December 1978

Acq. File Ref No. 864.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-10-39 situated at Vijayawada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shrimati Cattamanchi Sharada Devi, w/o. Late Sri Krishna Reddi, 6-2-953, Khairatabad, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

2. Shri Pulipati Venkateswara Rao, s/o. Satyanarayana, Pingalaswamy Street, Purnanandampeta, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2696/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the FN. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 13-12-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinda, the 14th December 1978

Acq. File Ref. No. 865.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-15-1 situated at Gandhinagar, Srikakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srikakulam on 12-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri S. R. Tata, Development Officer, Ministry of Steel and Mines, Department of Steel, Udyog Bhavan, New Delh.

(Transferor)

2. Shri Yellapanthula Sivanandam, s/o. Rama Murty, 11-3-141 Chinabaratham St., Srikakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1820/78 registered before the Sub-Registrar, Srikakulam, during the F.N. ending on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th December 1978

Acq. File Ref. No.—867.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 439 situated at Gangolu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Polavaram on 12-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Bulusu Veerabhadramma, w/o Late Papayya Sastry, GPA Holder Sri Hotha Venkata Surya Siva Ramsastry, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferor)

2. Shri Vaddiparthi Kantam, w/o. Venkata Ramana, Mangalavarapupeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 152/78 registered before the Sub-Registrar, Polavaram, during the F.N. ended on 15-6-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Hyderabad, the 16th January 1979

Acq. File Ref. No. 869.—Whereas I, B. V. SUBHA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25-7-14 situated at Jayakrishnapuram, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 23-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Boppudi Rangarao, s.o. Seetharamaiah, 2. B. Vikramaditya, 3. B. Chandrakiran and 4. B. Viveki alias Muralidhar, M/G. Father Sri B. Rngarao. Opp : Governor's Bungalow, Circuit Home, Visakhapatnam.

(Transferor)

2. (1) Tammana Ratnavati, w/o. Late Satyanarayana. (2) Tammana T. Narasimharao, s.o. Satyanarayana, Veerabhadrapuram, Korukonda Road, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2679 78 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry, during the fort-night ended on 30-6-1978.

B. V. SUBHA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I C), Kakinada.

Date : 16-1-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 12th January 1979

Acq. File Ref. No. 868.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17-15-8 situated at GNT Road, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru in June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Konda Raja Sivanand s/o. Late Sri Prabhakar Raju, 2 Smt. Konda Loka Seshamma, w/o. Late Sri Prabhakar Raju, Narasimharaopeta, Eluru, W.G. Dist.

(Transferor)

2. (1) Maganti Suryanarayana, s/o. Ghantaiah, 2. M. Seetharamaiah, s/o. Suryanarayana (3) M. Srinivasa Bhaskara Kumar, s/o. Suryanarayana, (4) M. Ghantavadhani, s/o. Suryanarayana, c/o. Bezwada Motor Stores, Bandar Road, Patamata, Vijayawada-520 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document Nos. 1936/78 and 1937/78 registered before the Sub Registrar, Eluru, during the FN. ended on 15-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 12-1-1979.

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Ravinutula Ramarao, S/o. Venkata Subbarayudu, Alcot Gardens, Rajahmundry. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Garikipati Venkata Krishna, Minor/Guardian Father, Dr. G. Gopalakrishna Prakashnagar, Rajahmundry. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Acq. File Ref. No. 878.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS Nos. 89 & 8/1 situated at Bommuru & Rajavolu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 30-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—506 GI/78

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2785/78 registered before the Sub Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 6-2-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th February 1979

Acq. File Ref. No. 879.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 74 situated at Bommuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 30-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Ravinutula Venkata Subbarao, (2) Sri R. Venkata Krishna Rao, (3) Sri R. Venkata Narasimha Rao and (4) Sri R. Sreenivasa Rao, Alcot Gardens, Rajahmundry.

(Transferor)

2. Shri Garikipati Pakeeraiah C/o Dr. Gopalakrishna Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2786/78 registered before the Sub Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 6-2-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-69/333.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-15, situated at New Delhi South Extension Part -II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Curio House, 14, Sunder Nagar Market, New Delhi through its partners Shri C. L. Bharany S/o L. Radha Krishan Bhanany & Shri Ramji Bharany S/o C. L. Bhanany R/o S-9, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Anrit Pal Kaur Kohli wd/o Shri Jang Bahadur Singh Kohli,

(2) Master Urmeet Singh,

(3) Master Manmeet Singh (both minors) sons of late Shri Jangbahadur Singh Kohli through their mother Smt. Anrit Pal Natural Guardian R/o A-3, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

(3) M/s. Goven Travels Prop. Dalmia Cement (Bharat) Ltd. and M/s Indian Institute of Mass Communication.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A five storeyed mansion built on a free hold plot of land bearing No. 15 Block No. E measuring 250 sq. yds. in New Delhi South Extension Part II Market and Bounded as under :—

On the East : Plot No. E-14
On the West : Plot No. E-16
On the North : Road.
On the South : RoadD. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
DELHI/NEW DELHI

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-79/333.—Whereas, I, D. P.
GOYAL,being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
157-158, situated at Rameshwari Nehru Nagar,
New Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 30-6-1978,for an apparent consideration
which is less than the fair market valueof the aforesaid property, and I have reasons to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

- (1) Shri Sadhu Ram s/o Shri Nait Ram
R/o Q. Nos. 157-158, Rameshwari Nehru Nagar,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Gian Chand S/o Shri Bhag Chand,
R/o 157-158, Rameshwari Nehru Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The Govt. built Qr. Nos. 157-158, Rameshwari Nehru Nagar,
New Delhi, with the lease hold rights of the land under the
said Qrs. and bounded as under:—

North : Gali
South : Service Lane.
East : G.B.P.
West : Open

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
DELHI/NEW DELHI

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Gurbux Singh S/o Shri Chanan Dass Arora,
R/o. H. No. A-27, Phase II, Naraina Industrial
Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o. Shri Bansi Lal,
R/o. H. No. 2401, Tilak Street, Chuna Mandi,
Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-79/335.—Whereas, I, D.P.

GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. XV/4485 situated at Dal Mandi Paharganj, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at New Delhi on 17-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of House No. XV/4485 situated in area as
known Dal Mandi, Paharganj, New Delhi comprising of an
area of 180 sq. yds. and bounded as under :—

North : House bearing Mun. No. XV/4484.

South : House No. XV/4487.

East : Katra No. 4430,

West : Gali.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
DELHI/NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-1-1979

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. JAC/Acq-III/3-69/336.—Whereas J. D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. XV/4486, situated at Dal Mandi, Paharganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh S/o. Shri Chanan Dass Arora, R/o. House No. A-27, Phase-II, Naraina Industrial Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar S/o Shri Bansi Lal, R/o. H. No. 2474, Nalwa Street, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The ground floor of House No. XV/4486 situated in the area known Dal Mandi Paharganj, New Delhi comprising of an area of 180 sq. yds. and bounded as under :—

East : House property No. 4430.
West : Gali (Street).
North : House Property No. 4484.
South : House property No. 4487.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
DELHI/NEW DELHI

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Rany Lubbhaya Malhotra
R/o 242, Chatak Kacori, Ajmeri Gate, Delhi
(Transferor)

(2) Shri Jogindra Singh S/o. Ram Singh Bajaj and Mrs.
Karpal Kaur W/o Jogindra Singh both R/o F-1/11,
Malviya Nagar, New Delhi through their attorney
S. Jaswant Singh S/o S. Kishan Singh
R/o F-1/11, Malviya Nagar, New Delhi.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th March 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/3-79/334.—Whereas, I, D. P.
GOYAL,

being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. C-5/1, situated at Safdarganj Development Area, New
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer

at New Delhi on 13-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed dwelling house constructed on
lease hold plot No. C-5/1, situated in the residential colony
known as Safdarganj Development Area, New Delhi having
an area of 550 sq. yds. situated on Delhi Mehrauli Road,
New Delhi and bounded as under :—

East : Open.
West : Plot No. C-5/2.
South : Service Lane.
North : Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
DELHI/NEW DELHI

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Roda Dhanjibhoy, (2) Fareeda Dhanjibhoy
Ardeshir and (3) Meena Dhanjibhoy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Abhay Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Mettur Berdscell Limited.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 23rd, February 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respec-
tive persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.Ref. No. AR-I/4003-18/Aug. 78.—Whereas, I V. S.
SESHADRIbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.C.S. No. 768 of Mal & Cum. Hill Divn situated at Rajabali
Patel Lane,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 25-8-1978for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1524/78
(Bom) and registered on 25-8-1978 with the Sub-Registrar,
Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—V. S. SESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, BombayDate : 23rd February, 1979
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL
SERVICE EXAMINATION, 1979
F.12/1/78-E.I(B)

New Delhi, the 17th March 1979

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 7th August, 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 17th March, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the two Services are given below :—

(i) The Indian Economic Service	30
(ii) The Indian Statistical Service	25

The above numbers are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A Candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

25—506GI/78

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1979. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTERAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 30th April, 1979 (14th May, 1979 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 30th April, 1979 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 30th April, 1979.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary

ANNEXURE INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. *The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards, his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Person already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate *must* send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii) (v) & (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1979. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES

WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age of completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(ii) *Certificate of Educational Qualifications.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the

authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

NOTE—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th October, 1979.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. X 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*.

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*.

the Constitution, (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/or*
his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* _____
of _____ District/Division* of the
State/Union Territory* of _____.

Signature.....

**Designation.....
(with seal of Office)

Place

Date

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development officer (Lakshadweep).

5. (i) displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India

during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal, Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vii) or 5(b)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequent thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified the Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(viii) A candidate claiming age concession under rule 5(c) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars, that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi, (110001) and office of the Union Public Service Commission, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Block Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

